संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -336 सोमवार ,07 अक्टूबर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

मार्शलों की नियुक्ति पर गरजे केजरीवाल

बोले कल सौरभ भारद्वाज नहीं,इस देश का जनतंत्र बीजेपी के पैरों पर कराह रहा था

» मार्शल मुद्दे पर हंगामे के बाद आप विधायकों के खिलाफ एफआईआर सौरभ भारद्वाज पर भी केस

नई दिल्ली,06 अक्टूबर 2024 (ए)। दिल्ली में शनिवार को बस मार्शलों की बहाली के मुद्दे पर हाई बोल्टेड ड्रामा हुआ था। अब इस मामले में आम आदमी पार्टी के विधायकों के खिलाफ केस भी दर्ज कर लिया गया है। सिविल लाइंस थाने में बीएनएस की कई धाराओं के तहत यह केस दर्ज किया गया।पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने इस दौरान सौरभ भारद्वाज की एक दिन पहले की घटना का जिक्र किया। केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने मार्शलों की बहाली को लेकर बीजेपी नेताओं के पैर पकड़ लिए। केजरीवाल ने कहा कि 62 सीट जीतने वाली पार्टी का नेता 8 सीटें जीतने वाली पार्टी के पैरों में गिर गया। केजरीवाल ने कहा कि कल सौरभ भारद्वाज नहीं, इस देश का जनतंत्र बीजेपी के पैरों पर कराह रहा था।

केजरीवाल ने कहा :भाजपा गरीब लोगों की

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को छत्रसाल स्टेडियम में 'जनता की अदालत' कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा। भाजपा की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करते हुए केजरीवाल ने बीजेपी को गरीब विरोधी पार्टी बताया। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा गरीब लोगों की नौकरी छीन रही है।

हुआ था हाई वोल्टेज ड्रामा

दिल्ली में शनिवार को बस मार्शलों की बहाली के मुद्दे पर हाई बोल्टेड ड्रामा हुआ था। अब इस मामले में आम आदमी पार्टी के विधायकों के खिलाफ केस भी दर्ज कर लिया गया है। सिविल लाइंस थाने में बीएनएस की कई धाराओं के तहत यह केस दर्ज किया गया है। एफ आई आर में सौरभ भारद्वाज का नाम भी शामिल है। जानकारी के अनुसार, पुलिस ने बीएनएस की धारा 103 और 238 के तहत मामला दर्ज किया है।

क्या है मार्शल केस का पूरा मामला?

बता दें, शनिवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी, आम आदमी पार्टी और भाजपा विधायकों के साथ बस मार्शलों की बहाली को लेकर कैबिनेट नोट सौंपने और उस पर मंजूरी के लिए उपराज्यपाल वीके सक्सेना के कार्यालय पहुंचीं थीं। आम आदमी पार्टी का कहना है भाजपा विधायक सचिवालय से भागने लगे, लेकिन मंत्री सौरभ भारद्वाज ने उनके पैर पकड़कर रोका।आप ने कहा कि बस मार्शलों की बहाली के लिए बीजेपी विधायकों के सामने कैबिनेट नोट पास करने के बाद उस नोट को लेकर एलजी के पास सीएम आतिशी और आम आदमी पार्टी के मंत्री और विधायक गए। इस दौरान बीजेपी विधायकों ने भागने का पूरा प्रयास किया लेकिन मंत्री सौरभ भारद्वाज और आप नेताओं ने उन्हें भागने नहीं दिया। आप ने कहा कि सीएम आतिशी खुद बीजेपी विधायक की गाड़ी में बैठकर एलजी हाऊस इसलिए गई, ताकि बीजेपी विधायकों को भगाने का कोई भी मौका ना मिले।इस घटनाक्रम के बाद सौरभ भारद्वाज,आप विधायकों और बस मार्शलों को राज निवास रोड से हिरासत में लिया गया।सार्वजनिक परिवहन बसों में मार्शल के रूप में तैनात 10 हजार से अधिक नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों को पिछले साल हटा दिया गया था, क्योंकि नागरिक सुरक्षा निदेशालय ने आपत्ति जताई थी कि वे आपदा प्रबंधन कर्तव्यों के लिए नियुक्त हैं।दिल्ली की सीएम आतिशी ने कहा कि बीजेपी विधायकों ने कल मुझसे मिलने का समय मांगा था, हमने उनसे मुलाकात की और उन्हें इस मुद्दे (बस मार्शलों) के बारे में समझाया कि यह एलजी के अधीन आने वाले सेवा मामलों के अंतर्गत आता है, लेकिन आज बीजेपी की पोल खुल गई, क्योंकि हमारी पूरी कैबिनेट वहां थी। बीजेपी को एलजी से उन मामलों पर निर्णय लेने के लिए कहना चाहिए जो उनके अधीन आते हैं। लेकिन बीजेपी इसके लिए तैयार नहीं है, वे इस मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं।

देश की संक्षिप्त खबरें

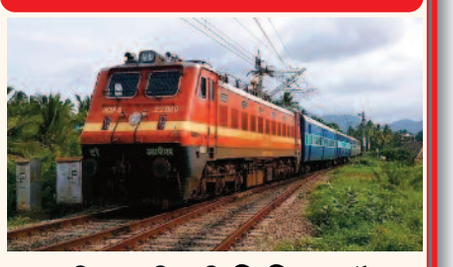

यूपीएससी की सिविल और इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा से होगी रेलवे में अफसरों की भर्ती

नई दिल्ली,06 अक्टूबर 2024 (ए)। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा और इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा के जरिए रेलवे में अफसरों की भर्ती की जाएगी। केंद्र सरकार ने इंडियन रेलवे मैनेजमेंट सर्विस एग्जाम के जरिये पर्याप्त टेक्निकल मेनपॉवर न मिलने के बाद यह फैसला लिया है। दिसंबर 2019 में इंटीग्रेटिड रेलवे सर्विस को कैबिनेट ने मंजूरी दी थी।

संदिग्ध विस्फोटक मिलने से जम्मू में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

जम्मू-कश्मीर ,06 अक्टूबर 2024(ए)। जम्मू के घोरोटा इलाके में संदिग्ध विस्फोटक मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने अपनी चौकसी बढ़ा दी है। इस मामले में अधिक जानकारी का इंतजार किया जा रहा है, जैसा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बताया। ग्रामीण जम्मू के एसपी बृजेश शर्मा ने बताया कि हमारी सेना के साथ संयुक्त गश्त चल रही थी जब हमें घोरोटा क्षेत्र में एक संदिग्ध वस्तु मिली। शर्मा ने आगे कहा कि हमने बम डिस्पोजल स्क्वाड (बीडीएस) की टीम के साथ मिलकर काम किया और उसे सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया।

सरकार की आलोचना के लिए पत्रकार के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं होना चाहिए

नई दिल्ली,06 अक्टूबर 2024(ए)। सरकार की आलोचना के लिए किसी पत्रकार के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट सुप्रीम कोर्ट ने पत्रकार अभिषेक उपाध्याय की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने यूपी पुलिस को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट ने अपने आदेश में लिखा है कि पत्रकार को उसके विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता संविधान के अनुच्छेद 19(1) से सुरक्षित है। केवल सरकार की आलोचना के लिए किसी पत्रकार के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं होना चाहिए।

रामलीला के मंच पर भगवान राम का रोल निभाते हुए कलाकार को आया अटैक

नई दिल्ली,06 अक्टूबर 2024(ए)। दिल्ली के शाहदरा इलाके के विश्वकर्मा नगर में रामलीला के दौरान दिल दहला देने वाली घटना घटी, जब भगवान राम का किरदार निभा रहे 45 वर्षीय कलाकार सुशील कौशिक की अचानक दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है जिसमे देखा जा सकता है कि सुशील राम के डायलॉग बोलते हुए अचानक अपने सीने पर हाथ रखकर पीछे हटने लगे। जिससे मंच पर मौजूद सभी लोग घबरा गए। आस-पास मौजूद अन्य कलाकारों को तुरंत समझ नहीं आया कि क्या हो रहा है, लेकिन सुशील को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दुर्गा पूजा से पहले डॉक्टरों का आमरण अनशन

अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर की हत्या के बाद सुरक्षा की मांग

कोलकाता,06 अक्टूबर 2024(ए)। पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा से पहले डॉक्टरों ने ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुई दरिंदगी और हत्या के विरोध में आमरण अनशन शुरू कर दिया है। ये डॉक्टर कोलकाता के सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में हुई इस घटना के बाद से अस्पतालों में डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के समक्ष 9 सूत्रीय मांगें रखी थीं, लेकिन प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सरकार ने अभी तक उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया है। बता दें कि ट्रेनी डॉक्टर के साथ अगस्त में यह दर्दनाक घटना हुई थी। इस बीच, बंगाल में शुक्रवार को 9 साल की बच्ची के साथ भी दरिंदगी की वारदात ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है।

जूनियर डॉक्टरों का भूख हड़ताल शुरू

जूनियर डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि अगर अनशन के दौरान किसी डॉक्टर की तबीयत बिगड़ती है, तो उसकी जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी। शनिवार को कोलकाता के आजी कर अस्पताल में 23 वर्षीय ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुई दरिंदगी के विरोध में डॉक्टरों ने भूख हड़ताल शुरू की। इसमें कोलकाता मेडिकल कॉलेज की स्निग्धा हाजरा, एसएसकेएम के अर्नब मुखोपाध्याय और एनआरएस मेडिकल कॉलेज के पुलस्थ आचार्य समेत अन्य डॉक्टर शामिल हैं। डॉक्टरों का कहना है कि जब तक उनकी सुरक्षा की मांगें पूरी नहीं होतीं, वे हड़ताल जारी रखेंगे।

डॉक्टरों की अपील:कोई और न बने दरिंदों का शिकार

पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर फ्रंट की डॉ. सायंतनी ने कहा, हम तब तक बैठेंगे, जब तक हमें न्याय नहीं मिल जाता। हमारी सहकर्मी को धमकियां मिल रही थीं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। यह किसी के साथ भी हो सकता है। हमें सुनिश्चित करना होगा कि कोई और इस तरह की घटना का शिकार न बने। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अस्पतालों में डॉक्टरों की सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए।

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

पुलिस ने बताया कि आरोपी ने बच्ची को आइसक्रीम का लालच देकर अपहरण किया और फिर उसके साथ दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस की कार्रवाई में देरी के कारण इलाके में हिंसा भड़क गई, जिससे कई गाड़ियों और पुलिस चौकी को नुकसान पहुंचा।

9 साल की बच्ची के साथ दरिंदगी, पूरे राज्य में आक्रोश

दक्षिण 24 परगना जिले में एक 9 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या ने राज्य को हिला कर रख दिया है। बच्ची का शव शनिवार सुबह नाले से बरामद हुआ। परिवार का दावा है कि बच्ची के शरीर पर चोटों के निशान और खून के धब्बे मिले हैं। पुलिस की अनदेखी के बाद इलाके में हिंसा भड़क उठी। गुस्साई भीड़ ने महिश्मारी पुलिस चौकी पर हमला कर दिया और पुलिसकर्मियों को भागने पर मजबूर कर दिया।

केंद्रीय मंत्री का बयान

इस घटना पर केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा, पश्चिम बंगाल में महिलाएं बिल्कुल सुरक्षित नहीं हैं। एक 9 साल की बच्ची का अपहरण, बलात्कार और हत्या कर दी गई। यहां तक कि देवी पक्ष के दौरान भी महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं।

ईडी द्वारा गिरफ्तार दो आरोपियों को जमानत देते समय सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी

शिकायत या आरोपपत्र में कोई अनुसूचित अपराध नहीं

नई दिल्ली/रायपुर,06 अक्टूबर 2024(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ कोयला लेवी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दो आरोपियों लक्ष्मीकांत तिवारी और शिव शंकर नाग को जमानत दी। लक्ष्मी कांत तिवारी बहुचर्चित सूर्यकांत तिवारी के चाचा हैं वहीं शिवशंकर नाग खनिज विभाग के उप संचालक न्यायालय ने इस आधार पर दी जमानत।

जस्टिस अभय ओक और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की खंडपीठ ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम, 2002 के तहत शिकायत दर्ज करने के समय लंबे समय तक कारावास और अनुसूचित अपराध की अनुपस्थिति के आधार पर जमानत दी।

उज्जैन महाकाल मंदिर का प्रसाद शुद्ध,13 टेस्ट में पास

उज्जैन,06 अक्टूबर 2024(ए)। उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में मिलने वाला लड्डू प्रसाद शुद्धता के सभी मानकों पर खरा उतरा है। हाल ही में हुए परीक्षण में यह लड्डू प्रसाद खाद्य सुरक्षा के 13 मापदंडों पर पास हो गया है। यह खबर भक्तों के लिए एक बड़ी राहत और खुशी का कारण बनी है।

13 प्रकार के टेस्ट से गुजरा लड्डू प्रसाद

उज्जैन संभागीय आयुक्त संजय गुप्ता ने बताया कि महाकाल मंदिर के लड्डू प्रसाद की जांच भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा प्रमाणित लैब में की गई थी। इन टेस्ट्स में लड्डू को शुद्धता और गुणवत्ता की कसौटी पर परखा गया। लड्डू की चार मुख्य सामग्रियां–शुद्ध घी, बेसन, रवा, और चीनी–सभी मापदंडों पर खरी उतरीं, खासकर शुद्ध घी, जो सबसे महंगी और महत्वपूर्ण सामग्री है।

40 टन घी का होता है इस्तेमाल

महाकालेश्वर मंदिर के लड्डू प्रसाद को बनाने के लिए प्रतिदिन 40 मीट्रिक टन घी का इस्तेमाल किया जाता है, जिसे राज्य सरकार की सहकारी संस्था उज्जैन दुग्ध संघ द्वारा आपूर्ति किया जाता है। प्रसाद में प्रयुक्त घी उच्चतम गुणवत्ता का है, और यह सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से परीक्षण किए जाते हैं कि भक्तों को शुद्ध और सुरक्षित प्रसाद मिले।

प्रसाद की शुद्धता का श्रेय प्रबंधन समिति को

संजय गुप्ता ने महाकाल मंदिर की प्रबंधन समिति की सराहना करते हुए कहा कि वे प्रसाद की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने तिरुपति देवस्थान से भी अनुरोध किया कि वे उज्जैन दुग्ध संघ द्वारा निर्मित सांची घी का उपयोग करें।

2 मंजिला इमारत में भड़की आग,7 लोग जिंदा जले

मुंबई,06 अक्टूबर 2024(ए)। मुंबई के चेंबूर इलाके में सिद्धार्थ कॉलोनी में रविवार तड़के करीब 5 बजे एक ही परिवार के 7 लोगों की जलकर मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बिल्डिंग में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी, इसके ग्राउंड फ्लोर पर दुकानें और पहली-दूसरी मंजिल पर कुछ परिवार रहते हैं।पुलिस के मुताबिक, तड़के 5 बजे के आसपास चेंबूर की दो मंजिला इमारत में आग लगने की सूचना मिली थी। बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर एक दुकान है, जिसमें बिजली का सामान रखा था, यहां शार्ट सर्किट के बाद आग तेजी से फैली और देखते ही देखते उसने ऊपरी मंजिलों को आगोश में ले लिया। पहली मंजिल पर एक परिवार के सदस्य इसकी चपेट में आ गए। अग्निकांड के बाद मौके पर बड़े पैमाने पर दमकल की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन चल रही है। अब तक सात लोगों के शव बरामद हो चुके हैं। मृतकों में 7 वर्षीय पेरिस गुप्ता, 10 वर्षीय नरेंद्र गुप्ता, 30 वर्षीय मंजू प्रेम गुप्ता, 39 वर्षीय अनीता गुप्ता, 30 वर्षीय प्रेम गुप्ता, विधि गुप्ता और गीता गुप्ता शामिल हैं। सभी बुरी तरह से जल गए थे, जिन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

ड्रग्स फैक्ट्री का पर्दाफाश,1800 करोड़ रुपये से अधिक का प्रतिबंधित पदार्थ बरामद

भोपाल,06 अक्टूबर 2024(ए)। राजधानी के एक बड़ी ड्रग्स फैक्ट्री का पर्दाफाश हुआ, जिसमें नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) की संयुक्त कार्रवाई के दौरान 1800 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किया गया। यह फैक्ट्री भोपाल के कटारा हिल्स इलाके के इंडस्ट्रियल एरिया बागरोदा पठार में स्थित थी, जहां एमडी (ड्रग्स) का उत्पादन किया जा रहा था।एनसीबी और एटीएस की टीम ने मौके पर छापा मारते हुए फैक्ट्री से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई इतनी गुप्त तरीके से की गई कि स्थानीय पुलिस को भी इसकी भनक नहीं लगी। छापे के दौरान बरामद ड्रग्स की कीमत 1814 करोड़ रुपये आंकी गई । गुजरात के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने भारी मात्रा में ड्रग्स की बरामदगी के लिए टीम को बधाई दी। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा- 'गुजरात एटीएस और दिल्ली एनसीबी की टीम ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई में मिली बड़ी जीत पर बधाई। हाल ही में भोपाल की फैक्ट्री पर रेड डाली गई और एमडी (ड्रग्स) व उसे बनाने वाला पदार्थ बरामद किया गया, जिसकी कीमत 1814 करोड़ रुपये है।

संपादकीय

एनकाउंटर की स्थिति

अनुज और अक्षय के मामले में समान तथ्य यह है कि जब उनका एनकाउंटर हुआ, वे पुलिस हिरासत में थे। इसलिए यह बात लोगों के गले नहीं उतर रही है कि उन्होंने कैसे पुलिस के लिए इतना खतरा पैदा कर दिया कि एनकाउंटर की स्थिति बन गई? महाराष्ट्र में बदलापुर बाल यौन शोषण कांड के आरोपी का एनकाउंटर आरंभ से संदिग्ध था और अब यह एक बड़ा विवाद बन गया है। पुलिस ने कहानी यह बताई कि वह आरोपी अक्षय शिंदे को जांच-पड़ताल के सिलसिले में अपने साथ ले जा रही थी, तभी शिंदे ने एक पुलिस अधिकारी के रिवॉल्वर को छीन लिया और गोली चलाने की कोशिश की। तभी दूसरे पुलिसकर्मियों ने फायरिंग की, जिसमें वह मारा गया।अब शिंदे के पिता के साथ-साथ पीड़ित बच्चियों के परिजनों ने भी हाई कोर्ट की पनाह ली है। उन्होंने कोर्ट से मामले की अपनी निगरानी में विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने की गुजारिश की है। जिस रोज (सोमवार को) ये घटना हुई, उसी दिन उत्तर प्रदेश में जौहरी लूट कांड के आरोपी अनुज प्रताप सिंह भी एनकाउंटर में मारा गया। इसके पहले इस कांड का एक और आरोपी मंगेश यादव भी एनकाउंटर में मारा गया था। तब समाजवादी पार्टी सहित तमाम हलकों से आरोप लगा था कि पुलिस ने जाति देख कर मंगेश को मारा गया, जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सहजातीय आरोपी को पुलिस ने जेल भेज दिया।मामला कुछ ज्यादा गरम हुआ था। अब संदेह जताया गया है कि जातिवाद के आरोप को गलत साबित करने के लिए अनुज का भी एनकाउंटर कर दिया गया है। अनुज और अक्षय दोनों के मामले में समान तथ्य यह है कि जब उनका एनकाउंटर हुआ, वे पुलिस हिरासत में थे। इसलिए यह बात लोगों के गले नहीं उतर रही है कि उन्होंने कैसे पुलिस के लिए इतना खतरा पैदा कर दिया कि एनकाउंटर की स्थिति बन गई?कभी यह चलन में था कि पुलिस हिरासत की हर मौत के बारे में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग को तुरंत रिपोर्ट करना जरूरी था तथा ऐसे मामलों की अनिवार्य जांच होती थी। लेकिन अब संस्थाएं अपनी धार खो चुकी हैं। उधर आरोप है कि खासकर भाजपा की राज्य सरकारों ने एनकाउंटर को राजकीय नीति बना लिया है। यह न्याय और संविधान की भावना का खुला उल्लंघन है, लेकिन इस दौर में इन भावनाओं का ख्याल कम-से-कम सरकारी स्तर पर शायद ही बचा है।

लोगों में राहुल को लेकर भारी उत्साह

जिसने भी पिछले दो दिन राहुल की यात्रा देखी है उसकी समझ में आ गया है कि राहुल ने हरियाणा में कांग्रेस की हवा को आंधी में बदल दिया। लोगों में राहुल को लेकर भारी उत्साह है। यात्रा का महत्व समझकर उन्होंने यह हरियाणा में तीसरी यात्रा निकाल दी। और हरियाणा के मिज़ाज को पुख्ता कर दिया। जनता जो सोच रही थी कि अब भाजपा को हराना है वह राहुल ने पक्का करवा दिया। अब बस हरियाणा चुनाव की वोटिंग बची है। जैसी हवा है उसे देखते हुए तो लोगों की निगाह 5 अक्टूबर के मतदान पर नहीं बल्कि सीधे 8 अक्तूबर की काउन्टिंग पर है और इंतजार है कि कांग्रेस को कितनी सीटें मिलती हैं। बीजेपी और उसका मीडिया दोनों मान चुके हैं कि भाजपा नहीं जीत रही। बड़े साफ तौर पर बीजेपी के नेता कह रहे हैं कि बहुमत नहीं मिलेगा मगर 2019 की तरह जोड़ तोड़ कर सरकार हम ही बनाएंगे। जनता से ज्यादा उन्हें अपने जोड़ तोड़ करने की क्षमता पर भरोसा है। लेकिन इसके बावजूद भी वे कांग्रेस को बहुमत से थोड़ी कम सीटें तो बोल रहे हैं। मतलब भाजपा और गोदी मीडिया मन मार कर भी कांग्रेस को भाजपा से आगे बता रहा है।लेकिन क्या यही हरियाणा की सही तस्वीर है। नहीं! जिसने भी पिछले दो दिन राहुल की यात्रा देखी है उसकी समझ में आ गया है कि राहुल ने हरियाणा में कांग्रेस की हवा को आंधी में बदल दिया। लोगों में राहुल को लेकर भारी उत्साह है। कांग्रेसियों को यह बात समझना चाहिए। यहां हर कांग्रेसी नेता खुद को खुदा मानता है। और दूसरे कांग्रेसी को कुछ नहीं। उसके इसी मिथ्याभिमान के कारण पहले कांग्रेस ने राजस्थान हारा और इस बार हरियाणा में हारना चाह रही थी।मगर समय रहते राहुल गांधी ने सही स्टैंड ले लिया। और हरियाणा में यात्रा शुरू कर दी। हालांकि कहा तो उन्होंने हंसते हंसते है कि कांग्रेस के शेर कभी कभी आपस में लड़ जाते हैं। और मेरा काम इन्हें फिर से एक करना है। वे भूपेन्द्र हुड्डा और कुमारी सैलजा दोनों के पीछे जाकर खड़े हुए और दोनों के हाथ उपर उठाकर मिलवा दिए। अगर कांग्रेस के क्षत्रपों में जरा भी शर्म है, कुछ शराफत बची है तो उन्हें समझना चाहिए कि उनकी पार्टी का सबसेबड़ा नेता खुद पीछे होकर उन्हें आगे कर रहा है। क्या मोदी जी कभी ऐसा कर सकते हैं? राहुल ने कहा कि हमारे कुछ नेता भाजपा में चले जाते हैं और वहां तो ऐसा कर नहीं सकते जैसा हमारे यहां करते हैं। हम तो एडजस्ट कर लेते हैं। मगर वहां तो उन्होंने उतरा हुआ चेहरा बना कर बताया कि ऐसे बैठना पड़ता है। यहां तो हंसते हैं मजाक करते हैं। और जो उन्होंने बोला नहीं वह यह कि कांग्रेस की ऐसी तैसी करते हैं।चुनाव प्रचार के दूसरे कार्यक्रम रोड शो, आमसभा पारंपरिक होते हैं। वैसे ही इसमें भाषण होते हैं। मगर यह पहली बार राहुल ने चुनाव के दौरान जो यात्रा निकाली वह एक बहुत सफल प्रयोग रहा। एक तो हजारों लोग इससे जुड़े दूसरे पूरे दिन जनता के साथ रहने से नेता के दिमाग में भी मौलिक विचार आते हैं। राहुल कोई मोदी जी की तरह टेलिप्राम्पटर पर पढ़कर तो बोलते नहीं हैं। वे तो जो जनता से सीखते हैं उसी को आगे बढ़ाते हैं।हमारे यहां पाखंड बहुत है। यह माना ही नहीं जाता कि जनता से सीखा जा सकता है। नेता तो उसे सिखाने जाता है। मगर दुनिया भर में जनता ही राजनीति की सबसे बड़ी शिक्षक मानी जाती है। गोर्की ने लिखा है माय यूनिवर्सिटिज। मेरे विश्वविध्यालय। उसमें आम जनता को ही विश्वविध्यालय बताया गया है। मैकिस्म गोर्की रूस के महान उपन्यासकार थे। तो हमारे यहां नेता जनता को सिखाता है। अपने मन की बात करता है। राहुल यही कहते हैं कि मैं आपके मन की

बात सुनना चाहता हूं।तो खैर यात्रा में राहुल ने बहुत सारी ऐसी बाते कहीं जो आम तौर पर होती नहीं हैं। उन्होंने एक अच्छी मिसाल दी। टीवी ने तो यह सब दिखाया नहीं। अखबारों में भी नहीं है। लोगों को कैसे मालूम चले? हम बताते हैं। राहुल ने कहा एक शर्ट जो अंबानी खरीदता है उस पर वह भी उतना ही टैक्स देता है जितना एक गरीब आदमी अपने बेटे के लिए उसकी शादी के लिए एक एक पैसा इकट्ठा करके खरीदते हुए देता है। ऐसे ही अपने बच्चे के लिए मिठाई खरीदते हुए गरीब उतना ही देता है जितना अंबानी अपने शौक के लिए खरीदते हुए।ठीक है दोनों बराबर टैक्स देते हैं। मगर फिर अंबानी, अडानी के हजारों करोड़ रुपए के कर्जे क्यों माफ किए जाते हैं। और गरीब का एक पैसे का कर्ज नहीं! उन्हें सरकारी खरीद में एयरपोर्ट, बंदरगाह, रेल्वे स्टेशन पर छूट छूट। और किसान की फसल एमएसपी पर खरीद भी नहीं।राहुल ने साफ घोषणा की कि जितना पैसा मोदी जी ने अंबानी, अडानी को दिया है वह सब उनसे वापस लेकर मैं किसान मजदूर गरीब को दूंगा। इसी संदर्भ में उन्होंने अंबानी की शादी का मजेदार जिक्र किया। लोगों से पूछा टीवी पर देखी। जनता के कहा हां। राहुल ने कहा कभी किसी किसी किसान मजदूर की शादी टीवी पर देखी। जनता आश्चर्यचकित! चुप ! उसके दिमाग में पहली बार अपने बच्चे और अंबानी के बच्चे के बीच फर्क समझ में आया। वोट तो उसका भी एक है अंबानी का भी एक। मगर अंबानी की शादी कई कई दिन तक टीवी पर चलती है। खाने और डांस चलते हैं। और सबसे बड़ी बात जो राहुल ने पूछी कि मोदी जी वहां दिखे? जनता ने कहा दिखे। और राहुल दिखा? जनता के एक सैंकड में समझ में आ गया कि यह फर्क है। राहुल अब नेता हो गए हैं। उन्होंने जनता को समझा दिया कि राहुल और मोदी में क्या फर्क है। राहुल किसानों के बीच धान की रोपाई करता है। और मोदीजी अंबानी की हजारों करोड़ की शादी में जाते हैं।यहां यह बता दें कि पिछले दिनों जिन वीडियो की बहुत चर्चा हुई थी राहुल के खेत में धान रोपते हुए उस खेत के किसान संजय ने मंगलवार को उस धान से निकला चावल लाकर राहुल को भेंट किया। राहुल की बोई हुई फसल से निकला अनाज।यह तो खेत की बात थी। मगर अब ऐसा ही राजनीति में होने लगा है। राहुल को यहां केवल फसल बोना ही नहीं थी। बल्कि उससे पहले बंजर हो गए खेत तैयार भी करना थे। 2011- 2012 के बाद से कांग्रेस की जमीन सूखती चली गई। इसे फिर से आबाद करना बहुत बड़ी चुनौति थी। मोदी इसलिए निरद्वंद शासन कर रहे थे। मगर राहुल ने दो यात्राएं निकालकर कांग्रेस की सुखी जमीन को फिर हरा-भरा कर दिया। और यात्रा का महत्व समझकर उन्होंने यह हरियाणा में तीसरी यात्रा निकाल दी।दो यात्राओं में तो वे यह कहने से बचते रहे कि यह राजनीतिक यात्राएं हैं। मगर यह तीसरी और बिल्कुल छोटी तो पूरी तरह राजनीतिक यात्रा थी। और छोटी क्या उन दो विशाल यात्राओं के सामने तो बिन्दू भी नहीं। मगर प्रभाव में बहुत आगे। हरियाणा के मिज़ाज को पुख्ता कर दिया। जनता जो सोच रही थी कि अब भाजपा को हराना है वह राहुल ने पक्का करवा दिया। लेकिन यह चुनाव है कुछ भी हो सकता है। ऐसा कहा जाता है। मगर क्या यह सच है। नहीं। कभी नहीं रहा। ऐसी अनिश्चितता जनता के मिज़ाज में नहीं होती है। मगर अब एक कारण से आखिरी आखिरी तक संशय बना रहता है। और वह है चुनाव आयोग। अब यह कहा जाने लगा है कि चुनाव जनता वर्सेस चुनाव आयोग के बीच हो रहा है। पता नहीं? लेकिन अगर होने भी लगा है तो चुनाव आयोग को यह समझ लेना चाहिए कि जनता से जीतने की होड़ न करे।जनता ने बड़े बड़े राज सिंहासन उठा कर फेंक दिए हैं। चुनाव आयोग बहुत छोटी चीज है। जनता जो चाह रही है उसे होने दें। और 8 अक्टूबर को बता दें। इतने स्पष्ट माहौल के बाद जनता इसमें घालमेल बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगी।

-शकील अख्तर-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

भाजपा संघ को अपना संरक्षक नहीं मानता

एक तरफ शताब्दी वर्ष के दौर की खुशी तो दूसरी ओर उपेक्षा का गम, आज इसी दौर से गुजर रहा है राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ आज उसकी सबसे बड़ी चिंता यही है, उसकी सोच है कि आजादी के बाद से अब तक सर्वाधिक काल तक कांग्रेस सत्ता में रही, किंतु उस दौर में भी उसकी (संघ की) केंद्रीय सत्ता द्वारा इतनी उपेक्षा नही हुई, जितनी की आज भाजपा के शासनकाल में हो रही है।
पिछले साल लगभग इन्हीं दिनों महाराष्ट्र के पूणे में संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक हुई थी, जिसमें भाजपा की चुनावी रणनीति पर विस्तृत चर्चा हुई थी जिसमें संघ की उपेक्षा के गंभीर आरोप लगे थे, इसके बाद इसी साल केरल में आयोजित संघ की समन्वय बैठक में भाजपाध्यक्ष जगत प्रकाश नड्ड़ा का अचानक पहुंचना और वहां यह प्रकट करना कि संघ भाजपा को अपने अधीन न समझे, भाजपा का संघ से समान विचारधारा के अतिरिक्त कोई रिश्ता नही है, यह स्पष्ट करता है कि देश पर राज कर रही भाजपा संघ को अपना संरक्षक नही मानता।इन्हीं दो प्रसंगों ने संघ की चिंता बढ़ा दी हे, यद्यपि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अब तक इन दोनों घटनाक्रमों के संदर्भ में कुछ नही कहा है, किंतु वे चिंतित अवश्य है और अपने संघ के भावी अस्तित्व के प्रति गंभीर भी। अब इस स्थिति में यह भी संभव है कि संघ प्रमुख भागवत जी स्वयं अपने अस्तित्व की चुनौति को स्वीकार लें और अपने ही स्तर पर संघ को हर दृष्टि से मजबूत और आदर्श संगठन बनाने की ठान ले, इस घटना के बाद संघ प्रमुख की अपनी राष्ट्रव्यापी शाखाओं के प्रति बढ़ी सक्रीयता तो यही संदेश दे रही है, अब उन्होंने देश के सभी राज्यों के संघ प्रमुखों से जीवंत सम्बंध बनाए रखने तथा समय-समय पर उनसे चर्चा करते रहने का भी निश्चय कर लिया है,

इसलिए अब संघ ने भाजपा शासित राज्यों में भी अपनी सक्रीयता बढ़ा दी है तथा वह अब अपने अस्तित्व की रक्षा में पूरी तरह जुट गया है।संघ की इस सक्रीयता से भाजपा तथा केन्द्र की चिंता बढना स्वाभाविक है, इसलिए राज्यों के भाजपा प्रमुखों के केंद्रीय संगठन से गोपनीय आदेश जारी किए गए है, जिनमें संघ की दैनंदिनी गतिविधियों पर तीखी नजर रखने को कहा गया है, अर्थात् अब संघ और भाजपा दोनों की ही एक-दूसरे पर तीखी नजर है।आज संघ की सबसे बड़ी और अहम् शिकायत ही यही है कि आजादी से अब तक के पचहत्तर वर्षों के कार्यकाल में अधिकांश समय कांग्रेस ही सत्ता में रही किंतु कांग्रेस के शासनकाल में भी संघ की इतनी उपेक्षा नही की गई, जितनी पिछले एक दशक से केन्द्र सरकार द्वारा की जा रही है, अटल-आडवानी जी के राज में भी संघ का निर्णायक अस्तित्व कायम था, जो आज नजर नही आ रहा है और फिर संघ की केरल बैठक में जाकर भाजपाध्यक्ष का दो टूक कथन अपने आपमें भाजपा संघ के रिश्तों के लिए काफी महत्व रखता है।आज संघ में हर स्तर पर यही बिन्दू विशेष मंथन का विषय बना हुआ है और संघ तथा भाजपा के भावी सम्बंधों पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा रकता है, इसी संभावना को दृष्टिगत रखते हुए दोनों ही संगठनों ने अपने-अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए एक-दूसरे से सम्बंधों पर गंभीर चिंतन शुरू कर दिया है, भाजपा ने जहां अपने शासित राज्यों में संघ की गतिविधियों पर तीखी नजर रखना शुरू कर दिया है, वही संघ ने और अधिक शाखाओं में वृद्धि कर इसे पूरे राष्ट्र में हर स्तर पर कायमी कर उन्हें सक्रिय करने का फैसला लिया है, ऐसी स्थिति में यदि यह माना जाए कि देश में भाजपा व संघ पृथक संगठन बन गए है, तो कतई गलत नही होगा, क्योंकि भाजपा जहां सत्ता के मद में है तो संघ अपना पुरातन वजूद कायम रखने की चिंता में।अब इस स्थिति का परिणाम क्या होगा? यह तो भविष्य के गर्भ में है, किंतु भाजपा व संघ के बुजूर्ग वर्ग इस स्थिति को लेकर चिंता मग्न अवश्य है।

-ओमप्रकाश मेहता-

सिंगौरगढ़ किला,दमोह

मध्यप्रदेश की ऐतिहासिक धरोहर

मध्यप्रदेश के दमोह जिले में स्थित सिंगौरगढ़ किला, रानी दुर्गावती के शासनकाल की महत्वपूर्ण धरोहर है। यह किला केंद्रीय संरक्षित स्मारक है। पहाड़ी पर स्थित यह किला अपनी अद्वितीय स्थापत्य कला और सामरिक महत्व के कारण सदियों से एक महत्वपूर्ण किलेबंदी के रूप में पहचाना गया है।सिंगौरगढ़ किला दमोह के दक्षिण-पूर्व में स्थित है। यह किला पहाड़ी की चोटी पर बनाया गया है, जिसे कलचुरी राजवंश द्वारा निर्मित किया गया था। इस किले का महत्व बढ़ाने में कई राजवंशों का योगदान रहा है। समय-समय पर इसमें विभिन्न निर्माण और सुदृढ़ीकरण कार्य किए गए, जिनके अवशेष आज भी इस किले में देखे जा सकते हैं।

सिंगौरगढ़ किले का ऐतिहासिक महत्व

सिंगौरगढ़ किले का नाम इतिहास में विशेष रूप से रानी दुर्गावती के शासनकाल से जुड़ा हुआ है। इस किले की दीवारें और परकोटे इसे दुश्मनों से सुरक्षित रखने के लिए विशेष रूप से निर्मित किए गए थे। इसके चारों ओर लगभग 8 किलोमीटर की लंबाई में फैला बाहरी परकोटा है, जो किले की बाहरी सुरक्षा सुनिश्चित करता था। किले के अंदरूनी हिस्से में भी एक परकोटा है, जिसे अन्तः किलेबंदी के रूप में उपयोग किया जाता था। किले के भीतर रानी महल, विशाल जल कुंड, मंदिरों के अवशेष और अन्य स्थापत्य संरचनाएं हैं, जो इसके गौरवशाली इतिहास की गवाही देती हैं।किले का निर्माण पूरी तरह से प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करके किया गया है। इसमें बड़े अनगढ़ पत्थरों का उपयोग किया गया है और दीवारों को मजबूत बनाने के लिए चूना और मिट्टी का उपयोग किया गया है। किले के ऊपर विभिन्न संरचनाएं, जैसे रानी महल और अन्य स्थापत्य धरोहरें, इसकी भव्यता को और बढ़ाते हैं।

संरक्षण कार्य:

अतीत को बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास-सिंगौरगढ़ किला संरक्षित स्मारकों की सूची में शामिल है। इसके संरक्षण का कार्य 4 चरणों में किया जा रहा है। प्रत्येक चरण में किले के विभिन्न भंग हिस्सों का जीर्णोद्धार कर इनका संरक्षण और पुनर्निर्माण किया जाएगा। इसमें मुख्यतः किले के बाहरी और आंतरिक दीवारों का संरक्षण, सीढ़ियों की मरम्मत, रानी महल की छत की मरम्मत और किले के अन्य संरचनाओं की मरम्मत का कार्य शामिल है। इसके लिए कुल 8.83 करोड़ रुपये मंजूर किये गये हैं। किले के महत्वपूर्ण हिस्सों की मरम्मत और संरक्षण का कार्य किया जा रहा है।

भविष्य की योजनाएं और चरणबद्ध कार्य:

अगले चरण में रानी महल, किले की सीढ़ियों और कंगूरों की मरम्मत की जाएगी। बलुआ पत्थर के स्तंभों, पत्थर की बेंचों और अन्य स्थापत्य धरोहरों की भी मरम्मत की जाएगी। इस किले के संरक्षण कार्य का उद्देश्य इसे न केवल ऐतिहासिक रूप से सुरक्षित रखना है, बल्कि इसे पर्यटन के लिहाज से भी विकसित करना है, ताकि इसे मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल किया जा सके।

प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक धरोहर का संगम:

सिंगौरगढ़ किला एक ऐतिहासिक स्थल होने के साथ प्राकृतिक सौंदर्य से भी परिपूर्ण है। यह किला सिंग्रामपुर के आरक्षित वन क्षेत्र में स्थित है, जो इसे प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर का अनूठा संगम बनाता है। किले के आसपास का दृश्य बहुत ही मनोहारी है और यह पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन सकता है।

-अरूण शर्मा-

क्रिप्टो करेंसी का अर्थ-शास्त्रीय तिलस्म

संजीव ठाकुर,
चौबे कॉलोनी,
रायपुर छत्तीसगढ़

» वैधानिक नियंत्रण और संतुलन?

आज का युग तकनीकी तथा नवाचार का युग है। वैश्विक स्तर पर हर देश में आज तकनीकी नवपरिवर्तन से दो-चार हो रहा हैं। तकनीकी परिवर्तन ने एक नये अध्याय क्रिप्टो करेंसी के रूप में विकासशील देश के सामने परोस कर रख दिया है। इन परिस्थितियों में जब भारत जैसे विकासशील देश में बड़ी संख्या में नागरिकों को इंटरनेट और मोबाइल के संपूर्ण ज्ञान की ही समझ-परख नहीं है ऐसे में क्रिप्टो करेंसी का मायाजाल एक अबूझ पहली बनकर सामने आया है जिससे न जाने कितने लोगों के रुपयों से शातिर साइबर ठग अपनी जेबें में भर सकते हैं। आज क्रिप्टो करेंसी के बारे में खुलकर उसे आमजन को अवगत कराकर उसका कानूनी विश्लेषण किया जाना अत्यंत आवश्यक प्रतीक होता है। तकनीकी परिवर्तन के कारण देश में हर क्षेत्र में डिजिटलाइजेशन हो रहा हैद्य ऐसा ही एक नया प्रयोग,नवाचार आभासी मुद्रा यानी क्रिप्टो करेंसी का आर्थिक क्षेत्र में पदार्पण हुआ है। क्रिप्टो करेंसी के सिक्के के भी दो पहलू हैं एक पहलू में बहुत सारे लाभ हैं और दूसरे पहलू में आर्थिक संदर्भ में चुनौतियां या सुरक्षा अंतर्निहित है। इसको अपनाने से पहले या इसे स्वीकार करने से पहले इसके कानूनी पक्ष और विधि सम्मत स्वीकार्यता पर पूरा ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता होगी। क्रिप्टोकरंसी एक डिजिटल मुद्रा है, जिसे ना तो देखा जा सकता है ना ही चुन सकते न मुद्रा की भांति जेब में या पर्स में रखा जा सकता है, क्योंकि इसकी हार्ड कॉपी या मुद्रित रूप उपलब्ध ही नहीं है। यह करेंसी भौतिक रूप से उपलब्ध ना होने के कारण इसे आभासी मुद्रा कहा जाता है। यह एक स्वतंत्र किस्म की मुद्रा है इसका संचालन व नियमन किसी संस्था या सरकार द्वारा नहीं किया जा सकता इसे विकेंद्रीकृत मुद्रा भी कहा जाता है। यह एक डिजिटल मुद्रा है। यह एक ऐसी मुद्रा है जिसे कंप्यूटर एल्गोरिथ्म के आधार पर बनाया जाता है। किसे केवल कंप्यूटर में ही देखा जा सकता है गिना जा सकता है एवं भुगतान किया जा सकता है। यह मुद्रा सरकारी नियंत्रण से मुक्त है। विश्व में सबसे पहले 2009 में जापान के संतोषी नाकमोतो द्वारा बनाई गई थी। वर्तमान में बाजार में 1500 से भी ज्यादा क्रिप्टो करेंसी उपलब्ध है, जो

पियर टू पियर इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के रूप में काम करती है। वर्तमान में क्रिप्टोकरंसी काफी लोकप्रिय होती जा रही है इसकी लोकप्रियता का कारण एक यह भी है कि यह गोपनीयता बनाए रखने में सहायक होती है। जिसके लेन देन में छद्म नाम एवं पहचान बनाई जाती है। ऐसे में निजता तो लेकर अत्यधिक संवेदनशील व्यक्तियों को यह व्यवस्था बहुत उपयुक्त लगती है। इसके लेनदेन में राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी आर्थिक बोझ कम पड़ता है। जिसके लेन देन में थर्ड पार्टी के सर्टिफिकेशन की आवश्यकता नहीं होती है। इसके लेनदेन में समय तथा धन की बहुत ज्यादा बचत होती है। सामान्य बैंक खातों की तरह इसमे किसी भी प्रकार के कागजात की आवश्यकता भी नहीं होती है। बैंकिंग प्रणाली तथा अंतराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले लेनदेन पर सरकार का कड़ा नियंत्रण होता है, जबकि यह राष्ट्रीय बैंकिंग सिस्टम के प्रत्यक्ष नियंत्रण के बाहर होने कारण लेनदेन के आदान-प्रदान का विश्वसनीय एवं सुरक्षित माध्यम बनकर उभरा है। सरकार के पास बैंक खाते को जप्त करने का अधिकार होता है, जबकि की क्रिप्टो करेंसी के मामले में ऐसा नहीं कर सकती अतः सरकार से बचाव के प्रभावशाली विकल्प के रूप में इस मुद्रा का प्रयोग किया जा रहा है। साथ ही नोटबंदी एवं मुद्रा के अवमूल्यन का इस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।
यह डिजिटल करेंसी है, अतः इसमें धोखाधड़ी की संभावनाएं बहुत कम होती है। या निवेश के लिए इस प्लेटफार्म पर अधिक पैसा होने पर क्रिप्टोकरंसी में निवेश करना लाभप्रद माना जा रहा है, क्योंकि इसकी कीमतों में बहुत तेजी से उछाल होता है। क्रिप्टो करेंसी राशि सीमाओं से परे अंतराष्ट्रीय स्तर पर बहुत ही कम लागत पर एक देश से दूसरे देश को पैसा भेजने के लिए सुगम साधन बन चुका है। 2009 में बिटकॉइन क्रिप्टो करेंसी की शुरुआत हुई थी। वर्तमान में एक बिलियन बिटकॉइन इंटरनेट के नेटवर्क में समाहित है, तथा नए बिटकॉइन का लगातार आगमन हो रहा है। आज प्रत्येक बिटकॉइन का मूल्य ₹500 है, जो दुनिया की सबसे महंगी करेंसी मानी जाती है। कुछ लोग इसे गोल्डरश के नाम से भी पुकारते हैं। वर्ष 2014 से माइक्रोसॉफ्ट ने अपनी सेवाओं के लिए बिटकॉइन के रूप में भुगतान लेना शुरू कर दिया है। निकोसिया विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों के प्रवेश शुल्क के रूप में बिटकॉइन करेंसी स्वीकार किया था । 2018 प्रशांत महासागर में स्थित मार्शल द्वीप क्रिप्टो करेंसी के लीगल टेंडर को मान्यता देने वाला पहला वैश्विक देश है। वेनेजुएला ने भी क्रिप्टो करेंसी की तर्ज पर पेट्रो नामक एक करेंसी प्रारंभ की है ऐसा करने वाला विश्व का पहला संप्रभुता वाला देश है। कई देशों में इसे आर्थिक संकट से उबारने वाला उपाय की तरह देखा जा रहा है। विश्व के कई देश इसकी पारदर्शिता तथा विधि स्वीकार्यता को सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत हैं। कई देशों ने इस पर प्रतिबंध लगा रखा है उसे मान्यता प्रदान नहीं की है। भारत ने भी अभी इसे किसी भी तरह की मान्यता प्रदान नहीं की है।
भारतीय संदर्भ में आभासी मुद्रा में उच्च स्तर की अनिश्चितता एवं के कारण भारत सरकार का दृष्टिकोण प्रतिबंधात्मक ही रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक ने 1913 में पहली बार इस संदर्भ में चेतावनी जारी की थी फिर 2017 में रिजर्व बैंक ने इस संदर्भ में जनता को आगाह कर इससे सावधान रहने के लिए कहा है। रिजर्व बैंक के अंदर क्रिप्टो करेंसी के संचालन में आर्थिक, वित्तीय, परिचालनात्मक कानून ग्राहक संरक्षण और उसकी सुरक्षा संबंधी जोखिम मौजूद हैं। रिजर्व बैंक द्वारा किसी प्रकार की क्रिप्टो करेंसी को मान्यता प्राधिकार या लाइसेंस नहीं दिया है। क्रिप्टो करेंसी पर प्रतिबंध और अधिकारिक डिजिटल मुद्रा विधेयक 2019 के ड्राफ्ट में यह प्रस्ताव दिया गया है कि देश में क्रिप्टोकरंसी की खरीद बिक्री करने वालों को 10 वर्ष की जेल की सजा होगी। इस प्रकार भारत में सभी प्रकार के क्रिप्टोकरंसी पर प्रतिबंध है। भारत सरकार ने इसे मान्यता नहीं दी है। क्योंकि क्रिप्टो करेंसी काले धन को छुपाने का एक बड़ा जरिया भी हो सकता है तथा सरकार को इस को प्रतिबंधित करने के लिए और कड़े नियम कानून बनाने की आवश्यकता होगी।
ईस में सबसे बड़ी हानि होती है कि इसका कोई भौतिक अस्तित्व नहीं है और इसका मुद्रण भी नहीं किया जा सकता है ।मतलब स्पष्ट है कि यह करेंसी के रूप में छापी भी नहीं जा सकती और ना ही इसकी कोई पासबुक या अकाउंट ही जारी किया जा सकता है। इसका प्रयोग अवैध कार्यों के लिए जैसे अवैध हथियार खरीदी, मादक पदार्थों के व्यापार, आतंकवादी गतिविधियों में मनी लांड्रिंग आदी में किए जाने की संभावना बढ़ जाती है अतः इस पर पूर्णत प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।

भोले इतना कह दो

घटती-घटना
कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी
गांधीनगर,इंदौर (मध्यप्रदेश)

भोले इतना कह दो
पत्ता-पत्ता,बूटा-बूटा,
भोले से क्यूं रूठा है,
मिलने की कह गए थे भोले,
इसीलिए तो रूठा है।
पत्ता-पत्ता ...
अब तो दरश देने को आओ,
ओ भोले भंडारी,
बरसों राह तकी है हमने,
धक गई अंखियां हमारी।
पत्ता-पत्ता ....
भेज रहे थे हम ये संदेशा,
हर रितु के आने पर,
पता नहीं ये कर्ण तुम्हारे,
किस धुन में डूबे थे।
पत्ता-पत्ता ....
ढोल-मंजीरा,झांझर-तासे,
बजा रहे हम सारे,
बस भोले तुम इतना कह दो,
आ रहे द्वार तुम्हारे।
पत्ता-पत्ता ....
कदम धरोगे जब आंगन में,
धड़कन ये धड़केगी,
देख के भोले अपलक तुमको,
इच्छा होगी पूरी।
पत्ता-पत्ता ....

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

संजीवनी

मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पीटल अम्बिकापुर

शुभारंभ

कैथलैब

6 अक्टूबर 24 रविवार से
आपकी सेवा में प्रतिदिन उपलब्ध

संभाग के एकमात्र **DM** हृदय रोग विशेषज्ञ
की सेवायें प्रतिदिन उपलब्ध

डॉ. अभिजीत प्रसाद

हृदय रोग विशेषज्ञ

डी.एम. कार्डियोलॉजी (बी.एच.यू. वाराणसी)
वरिष्ठ सलाहकार-इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट
अनुभव - 3 वर्ष जसलोक हॉस्पिटल मुम्बई

उपलब्ध सुविधायें -

- एंजियोग्राफी
- एंजियोप्लास्टी
- पेसमेकर की सुविधा

24/7 Emergency Services

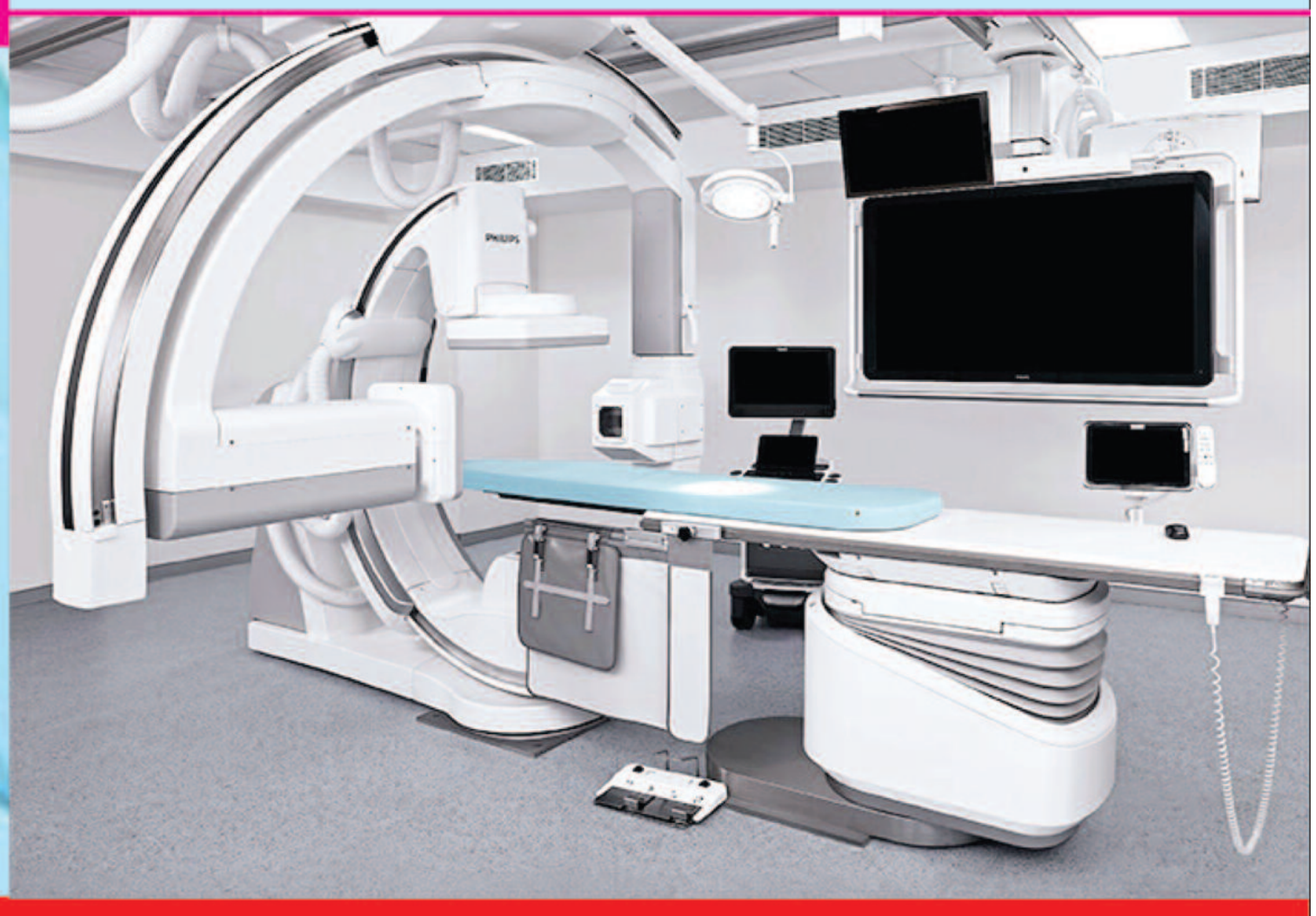

आयुष्मान कार्ड से ईलाज की सुविधा उपलब्ध

गौरव पथ, न्यू बस स्टैण्ड के समीप, राजमोहिनी देवी गर्ल्स कॉलेज के सामने, अम्बिकापुर, सरगुजा

सम्पर्क : 9407910331, 07774221101

सोशल मीडिया पर दोस्ती,4.94 लाख ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,06 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

ठगी के मामले में लुण्ड्रा पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने सोशल मीडिया पर दास्ती व शादी का झांसा देकर युवती व उसके परिचितों सहित रिश्तेदारों से 4.95 लाख रुपए ठगी की थी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने कार्रवाई की है।

जानकारी के अनुसार यामनी दास लुंड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम डडगांव की रहने वाली है। जनवरी 2024 में सोशल मीडिया के माध्यम से उसका पहचान ललित दास मानिकपुरी पिता भगत दास निवासी कोटवार गली, मौलाना आजाद वार्ड नंबर 10, सारंगढ़ रायगढ़ से हुआ था। दोनों का मोबाइल एवं फेसबुक में बातचीत होता था। इसी बीच ललित दास ने एक ही जाति के होने की बात कहकर शादी करने की बात कहते हुए उसे विश्वास में लिया। 24 मार्च को वह डडगांव आया था। इस दौरान गांव के अन्य लोगों से भारत फाइनेंस में बीएम के पद पर कार्यरत रहने की बात कहकर एक योजना के तहत मुर्गी फार्म के व्यवसाय हेतु 20 लाख रुपये का लोन दिला देने का झांसा दिया और बताया कि लोन की रकम में से 7 लाख रुपये छूट मिलेगा। इसके बाद गांव के लोग लोन लेने के लिए राजी हो गए। कोटेशन बनवाते समय बड़े साहब को कमीशन और अन्य खर्च होने की बात कहकर गुलशन, उर्मिला नाई, सुलोचिनी दास, महेन्द्र दास, राजेश दास से 30-30 हजार रुपये एवं शाहिल लकड़ा से 3800 रुपये ठगी कर लिया था। नौकरी लगवाने के नाम पर यामिनी की बड़ी बहन से भी डेढ़ लाख रुपए की ठगी किया था। यामनी की बड़ी बहन पूर्व में सीआरपीएफ एवं एसएससी में नौकरी के लिए फार्म भरी थी। इसके अलावा युवती की बहन के नाम पर 40 हजार रुपये का मोबाइल भी फाइनेंस करा लिया था। आरोपी ललित दास ने 19 जून को लुण्ड्रा स्थित शोरूम से स्कूटी 19 हजार रुपये डाउन पेमेंट करके प्रार्थिया के नाम से फाइनेंस करवाया था। इसके बाद वह यहां से फरार हो गया था। यामिनी व उसके परिवार को पता चला कि ललित दास द्वारा गांव वालों से मुर्गी फार्म के व्यवसाय हेतु लोन स्वीकृत कराने के नाम पर रुपये लिया गया है, तो वह स्कूटी एवं ओप्पो मोबाइल लेकर डडगांव से फरार हो गया। यामिनी ने मामले की रिपोर्ट लुण्ड्रा थाना में दर्ज कराई थी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी ललित दास को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1 नग स्कूटी, 1 नग मोटरसायकल, 2 नग मोबाइल जब्त किया है।

त्योहार में न हो कई अप्रिय घटना, पुलिस ने चलाया अभियान

- संवाददाता -
अंबिकापुर,06 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

त्योहार के दौरान किसी तरह की कोई अप्रिय घटना न हो इसे लेकर सरगुजा पुलिस काफी सतर्क है। जगह-जगह चेकिंग अभियान चलाकर संदिग्धों की तलाशी ली जा रही है। एसपी योगेश पटेल के निर्देश पर शनिवार की रात शहर के 40 प्वाइंट पर चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान 80 पुलिस अधिकारी-कर्मचारी तैनात थे। इस दौरान पुलिस सुनसान तालाबों, ठेलों एवं खुले स्थान पर शराब सेवन करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान पुलिस ने गुंडा बदमाश, निगरानी बदमाश की चेकिंग की।

निगरानी गुंडा बदमाशों को किसी भी आपराधिक गतिविधि में शामिल होना पाये जाने ओर सख्ती से कार्रवाई किए जाने की चेतावनी दी गई। वहीं पुलिस टीम द्वारा देर रात तक खुले हुए दुकानों के संचालकों को कड़ी समझाइश देते हुए समय पर दुकान बंद करने की बात कही गई है। वहीं देर रात तक अनावश्यक घुमने वाले लोगों को भी समझाइश दी गई। अभियान के दौरान 157 प्रकरणों में कुल 1 लाख 19 हजार 300 रुपए समन शुल्क वसूले गए। कार्रवाई के दौरान अनुविभागीय अधिकारी पुलिस आमित पटेल, थाना कोतवाली, थाना गांधीनगर एवं थाना मणिपुर के पुलिस अधिकारी कर्मचारी शामिल रहे।

महिलाओं ने यात्रा निकालकर 151 मीटर लम्बी चुनरी मां महामाया को किया समर्पित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,06 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

सेवाभावी महिलाओं की समाजसेवी संस्था रोटी बैंक द्वारा शारदीय नवरात्रि के तृतीय दिवस शहर में चुनरी यात्रा निकाली। महिलाओं ने 151 मीटर लम्बी चुनरी मां महामाया को समर्पित किया। चुनरी यात्रा में सभी धर्मों की महिलाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। सामाजिक सद्भाव का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया।

चुनरी यात्रा का शुभारंभ दर्रीपारा स्थित हनुमान मंदिर से प्रारंभ हुई। सदर रोड होते हुए महामाया मंदिर तक कि चुनरी यात्रा में सभी धर्मों और आयु वर्ग की महिलाओं ने उत्साह से भाग लिया। जगह जगह यात्रा में शामिल महिलाओं पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। बाजे-गाजे के साथ निकली यात्रा का महामाया रोड में अग्रवाल समाज, शमलाया मंदिर के पास मुस्लिम समाज की महिलाओं ने यात्रा का स्वागत किया। यात्रा को सफल बनाने में रोटी बैंक समूह की पूजा शर्मा, सरोज सिंह, सीमा सोनी, गीता प्रजापति, स्वाति श्रीवास्तव, सरला राय, अनामिका श्रीवास्तव,उषा शर्मा, शकीला सिद्दकी, प्रतिभा सिंह, आशा विश्वकर्मा, शिप्रा शर्मा, पूनम कुशवाहा, रेखा अग्रवाल, हैप्पी अग्रवाल, मोना राय सहित समूह की महिलाओं का सक्रिय योगदान था।

मानस गान प्रतियोगिता में मानस मंडलियों के बीच जबर्दस्त उत्साह

- संवाददाता -
अंबिकापुर,06 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा सेवा समिति, नागरिक समिति तथा जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विजयादशमी महोत्सव के मानस गान प्रतियोगिता में इस बार मानस मंडलियों के बीच ज़बर्दस्त उत्साह है। रविवार को सरस्वती शिशु मंदिर सभा भवन में आयोजित मानस गान व पाठन प्रतियोगिता में सत्य सनातन संस्कृति की अद्भुत छटा देखने को मिली। विजयादशमी महोत्सव कार्यक्रम के प्रथम दिन महिला मानस मंडलियों ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। सरगुजा सेवा समिति के महासचिव संजय अग्रवाल ने कार्यक्रम के सबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इस बार पिछली बार की अपेक्षा दोगुनी लगभग 50 मानस मंडली टीमों ने हिस्सा लिया है जिसके कारण देर रात तक प्रतियोगिता चलने की संभावना है। सोमवार को पुरुष मानस मंडली टीमों का प्रदर्शन होगा उसके पश्चात स्थानीय लोक नृत्य की प्रतियोगिताएं शुरू होंगी। रविवार को भाग लेने वाली महिला मानस मंडलियों में राधाकृष्ण बालिका मंडली, जय मां शारदा महिला मंडली, सरस्वती महिला मानस मंडली, कौशलेंद्र महिला मानस मंडली, मां संतोषी उपासना मानस मंडली, ज्योति महिला मानस मंडली, मां बागेश्वरी महिला मानस मंडली, मां दशपोरी महिला मानस मंडली, प्रज्ञा महिला मानस मंडली तथा जय मां लक्ष्मी महिला मानस मंडली सहित कई टीमों ने अपनी विशेष तैयारियां की है। मानस गान प्रतियोगिता अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल, सरगुजा सेवा समिति की अध्यक्ष रजनी त्रिपाठी, भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, नागरिक समिति के अध्यक्ष अजय अग्रवाल, पूर्व सभापति शफी अहमद, अखिलेश सोनी, भारत सिंह सिसोदिया, कमलभान सिंह, करताराम गुप्ता, आलोक दुबे, विद्यानंद मिश्रा, मधु चौदाहा, संजय अग्रवाल ,प्रयाग राज साहू , राजेश कश्यप , महेंद्र अग्रवाल , मंजूषा भगत, मनोज सोनी, वीर सोनी , मयंक जायसवाल , अनुराग शुक्ला , अविनाश मंडल , आभाष राज , अमन गुप्ता , दीपक अग्रवाल, नीरज अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

कुन्नी की टीम ने संत इग्नासियूस को 5-0 गोल से हराया

- संवाददाता -
अंबिकापुर,06 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

शहर के गांधी स्टेडियम में खेले जा रहे संभाग स्तरीय नॉकआउट कम फुटबॉल प्रतियोगिता के अंतर्गत रविवार को एक मैच खेला गया। संत इग्नासियूस नमना अंबिकापुर विरुद्ध फुटबॉल क्लब कुन्नी के मध्य खेला गया। प्रथम हाफ में दोनों टीमों ने अच्छे खेल का प्रदर्शन किया। प्रथम हाफ के अंतिम समय में कुन्नी की टीम ने एक गोल कर बढ़त बना ली। मैच के दूसरे हाफ में कुन्नी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अनिकेत सिंह के दो गोल शुभम के एक गोल अजीत का एक गोल तथा जीवन के गोल की बदौलत कुन्नी की टीम ने 5-0 से मैच जीतकर शानदार शुरुआत की। वहीं इस प्रतियोगिता के तहत सोमवार को दो मैच खेले जाएंगे। प्रथम मैच सरगुजा फुटबॉल एकेडमी अंबिकापुर विरोध न्यू स्पोर्टिंग क्लब चर्चा के मध्य खेला जाएगा तथा दूसरा मैच न्यू स्पोर्टिंग क्लब दुग्गा विरुद्ध ट्राइबल टाइगर ए के मध्य खेला जाएगा।

कांधे पर सिस्टम विकास के दावों की खोल रही है पोल

सड़क के अभाव में ग्रामीण कांधे पर बांस के सहारे शव को घर ले जाने का वीडियो हो रहा वायरल पटकुरा घटोंन का मामला

- मनोज कुमार -
लखनपुर,06 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

लुण्ड्रा विधानसभा के लखनपुर विकासखंड के ग्राम पटकुरा के आश्रित ग्राम घटोंन निवासी 18 वर्षीय युवक की उपचार के दौरान अंबिकापुर मिशन अस्पताल में मौत हो गई। प्राइवेट वाहन के माध्यम से ग्राम पटकुरा तक युवक के शव को लाया गया। बाद इसके ग्रामीणों ने कांधे पर बांस के सहारे शव को उठाकर उसके घर ले जाया जा रहा था। किसी ने वीडियो बना सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। रविवार को मिली जानकारी के मुताबिक मृतक युवक का नाम का नाम इसपाल तिग्गा पिता सुरेंद्र तिग्गा उम्र 18 वर्ष घटोन पटकुरा निवासी बीमार था परिजनों के द्वारा उपचार हेतु अंबिकापुर मिशन अस्पताल भर्ती कराया गया था जहां उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई रविवार को वाहन के माध्यम से युवक के शव को ग्राम पटकुरा तक लाया गया और खस्ता हाल सड़क होने की वजह से आगे वाहन नहीं जा सका। ग्रामीणों ने बांस के सहारे कंधे में उठाकर शव को घर तक ले जाया गया। जिसका वीडियो बनाकर किसी ने सोशल मीडिया में वायरल कर दिया विदित हो की पिछले वर्ष भी इसी तरीके के मामले घटोन क्षेत्र से सामने आये थे। शासन बदला विधायक बदले परंतु ग्रामीण की समस्या जस की तस बनी हुई है सड़क के आभाव में ग्रामीणों को अनेकों प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। विधायकों और जनप्रतिनिधियों से लंबे समय से ग्रामीण सड़क निर्माण की मांग कर रहे है। आज तक सड़क का निर्माण नहीं हो सका। जिसे लेकर क्षेत्र के ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। गौरतलब है कि ग्राम पटकुरा से 8 किलोमीटर दूरी पर घटोन गांव स्तिथ है। जहां लगभग दो दर्जन से अधिक परिवार निवासरत हैं। बदहाल सड़क के कारण गर्भवती महिलाओं बीमार ग्रामीणों को काँवर या खाट में लेकर ग्राम पटकुरा पहुंचते हैं। फिर उन्हें वाहन की सुविधा मिल पाती है। इस दौरान गर्भवती महिलाओं और बीमार व्यक्तियों को लाने में खतरा बना रहता है। बदहाल सड़क की वजह से ग्रामीणों को अनेकों प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों के द्वारा जनप्रतिनिधियों से कई बार मांग की जा चुकी है। सिर्फ आज तक आश्वासन ही मिला है। जो तस्वीर सामने निकल कर आई है। जिससे विकास के दावों को पोल खोलती नजर आ रही है। शासन प्रशासन के द्वारा सड़क का निर्माण कार्य कराया जाता है या नहीं यह देखने वाली बात होगी।

क्या निर्माण के बाद भवन निर्माण अनुज्ञा देता है नगर निवेश कार्यालय ?

क्या प्रिंस जायसवाल के लिए नगर निवेश कार्यालय उनकी जेब में है...
जिस वजह से बिना भवन निर्माण अनुज्ञा मिले ही निर्माण शुरू कर दिया उन्होंने?

क्या प्रिंस जायसवाल की नगर निवेश कार्यालय में भी है रिश्तेदारी...जिस वजह से निर्माण होने के बाद उन्हें मिलेगी भवन निर्माण अनुज्ञा प्रमाण पत्र ?

नगर निवेश कार्यालय के अधिकारियों की भी चल रही है मनमानी जमकर वसूल रहे हैं पैसे

नगर निवेश के एक अधिकारी ने प्रिंस जायसवाल को बोलकर अपनी होने वाली पत्नी का करवाया कोरिया तबादला..क्या इसी वजह से प्रभाव में है अधिकारी ?

नगर निवेश क्षेत्र में आने वाले सभी कमर्शियल भूमि को भवन निर्माण अनुज्ञा दिलाने के लिए हो रही है लाखों में वसूली : सूत्र

-रवि सिंह-
कोरिया/सूरजपुर,06 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

सुरजपुर जिले के प्रभारी डीपीएम प्रिंस जायसवाल के सामने क्या बड़े-बड़े लोग हो चुके हैं नतमस्तक? इसी वजह से उनको नहीं पड़ता किसी चीज का फर्क, नियम कायदे कानून तो उनके जेब में है कुछ ऐसा ही इस समय प्रतीत होता नजर आ रहा है, यह बात इसलिए हो रही है क्योंकि एक बार फिर प्रभारी डीपीएम प्रिंस जायसवाल नियम विरुद्ध तरीके से नगर निवेश क्षेत्र में बिना भवन निर्माण अनुज्ञा लिए बिना ही नर्सिंग कॉलेज बनवा रहे हैं, अभी तक उन्हें नगर निवेश कार्यालय द्वारा भवन निर्माण अनुज्ञा नहीं मिला है और बताया जाता है कि नियम यह है कि जब तक आपको भवन निर्माण अनुज्ञा नहीं मिलती तब तक आप निर्माण नहीं कर सकते, पर प्रिंस जायसवाल के 97 डिसमिल जमीन पर उनकी पत्नी का नर्सिंग कॉलेज भवन निर्माण शुरू है, अब ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या निर्माण शुरू होने के बाद नगर निवेश कार्यालय भवन अनुज्ञा निर्माण की अनुमति देगा और यदि देगा तो किस नियम के तहत देगा? नियम विरुद्ध देगा या फिर नियम के तहत देगा? या बैक डेट पर देगा? वैसे जानकारों का मानना है की नगरी निवेश को भवन निर्माण अनुज्ञा की अनुमति नहीं देनी चाहिए, क्योंकि निर्माण शुरू हो चुका है और निर्माणाधीन भवन की अनुमति नहीं दी जाती है उस पर भारी भरकम जुर्माना लगता है, आखिर नगरी निवेश कोरिया के नगर निरीक्षक ने क्या निरीक्षण किया हैं या नही किया? उन्हें यह बात नहीं पता है कि भवन निर्माण से पहले भवन निर्माण अनुज्ञा दी जाती है की नहीं दी जाती। बिना भवन निर्माण अनुज्ञा प्रमाण पत्र मिले ही तेजी से हो रहा है नर्सिंग कॉलेज का निर्माण, क्या अब जाकर निरीक्षण करके यह बताएंगे कि वहां पर निर्माण शुरू हो चुका है या फिर इस जानकारी को छुपा कर भवन अनुज्ञा प्रदान करेंगे नगर निवेश कार्यालय के लोग?

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बचरापोडी स्टेट हाईवे में केनापारा के पास फर्जी डॉक्टर बताए जा रहे सूरजपुर जिले के प्रभारी डीपीएम प्रिंस जायसवाल के नाम 97 डिसमिल जमीन स्थित है जिस जमीन पर भव्य नर्सिंग कॉलेज बनाने की तैयारी चल रही है यह नर्सिंग कॉलेज किसी और का नहीं उनकी पत्नी व पिता का बताया जा रहा है, बताया यह भी जा रहा है की नर्सिंग कॉलेज की समिति में अध्यक्ष व सचिव पत्नी और पिता ही है, जमीन भले ही प्रभारी डीपीएम प्रिंस जायसवाल के नाम है पर नर्सिंग कॉलेज उनकी पत्नी के नाम संचालित होना बताया जा रहा है, प्रिंस जायसवाल की जमीन को लीज पर लेना बताया जा रहा है उनके द्वारा मतलब पिता और पत्नी ने बेटे और पति से जमीन लीज पर ली है, सवाल यहां पर यह उत्पन्न होता है कि जिस बिल्डिंग में नर्सिंग कॉलेज अभी वर्तमान में संचालित है वह नियम विरुद्ध है सूत्रों का यह भी कहना है कि उस पर भी कार्यवाही करने का आदेश हो चुका है, पर न जाने प्रशासन कार्यवाही के लिए क्यों रुका है? फिर इसी बीच नियम विरुद्ध तरीके से नगर निवेश कार्यालय के अधिकारियों को अपने प्रभाव में लेकर बिना भवन निर्माण अनुज्ञा के ही निर्माण शुरू हो गया है, आधा से ज्यादा निर्माण वहां पर हो चुका है अब क्या इसके बाद भी नगर निवेश नियम विरुद्ध तरीके से अनुमति देगा या फिर या फिर राजस्व विभाग इस पर कोई कार्रवाई करेगा? वैसे तो लगता नहीं की कोई कार्रवाई होगी क्योंकि काफी प्रभावशील व्यक्ति हैं फर्जी डॉक्टर बताए जाने वाले झोलाछाप डॉक्टर प्रिंस जायसवाल? मामले को लेकर दैनिक घटती-घटना इसकी पुष्टि नहीं करता पर जांच होनी चाहिए।

4 करोड़ का लिया जा रहा है लोन,पूरी जमीन रखी जा रही है बैंक लोन के लिए बैंक के पास

नर्सिंग कॉलेज उक्त जमीन पर बन रहा है जिसके किए 4 करोड़ का बैंक लोन लिया जा रहा है और इस लोन के लिए पिता सहित कई रिश्तेदार की जमीन बैंक के सुपर्द रहेगी जब तक लोन नहीं पटता।

आखिर बेश कीमती जमीन किस पैसे से खरीद सके प्रभारी डीपीएम सूरजपुर साहब

कोरिया के प्रभारी डीपीएम रह चुके वर्तमान में सूरजपुर जिले के प्रभारी डीपीएम डॉक्टर प्रिंस जायसवाल किस पैसे से बेशकीमती जमीन खरीद सके हैं यह भी एक सवाल है। क्या उन्होंने मरीजों के हक में डकैती डाली है?.. क्या उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के फंड में सेंध लगाया है लोगों का ही अधिकार छीन लिया है। जिस जमीन पर नर्सिंग कॉलेज उनकी पत्नी और पिता के संचालन के नाम पर बन रहा है वह काफी कीमती है और उस जमीन को उन्होंने कम मूल्य जाहिर कर खरीदा है और इसमें पैसा लोगों को मिलने वाली सुविधाओं का लगा है लोगों के हक पर डकैती डाली गई है यह सूत्रों का कहना है।

नगर निवेश कार्यालय के किस अधिकारी की होने वाली पत्नी का बिलासपुर से कोरिया स्थानांतरण करवाया गया ?

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कोरिया जिले के एक नगर निवेश अधिकारी की होने वाले पत्नी जो स्वास्थ्य विभाग में है उनका स्थानांतरण बिलासपुर से कोरिया करवाया गया है, यह स्थानांतरण बताया जा रहा है कि स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी डीपीएम के पैरवी से हुआ है क्या यही वजह है कि नियम विरुद्ध तरीके से उन्हें भवन निर्माण अनुज्ञा प्रमाण पत्र निर्माण कार्य शुरू होने के बाद दिया जाएगा? इसका दावा दैनिक घटती घटना नहीं करता.. जानकारी विशेष सूत्रों के हवाले से मिली है।

फर्जी है डिग्री उसके बाद भी अधिकारियों को ओवरटेक करता दिखा प्रभारी डीपीएम

सुरजपुर का प्रभारी डीपीएम फर्जी डिग्री वाला झोलाछाप डॉक्टर है यह सिद्ध आरोप बैकुंठपुर के एक पार्षद ने लगाया और उसने यह भी दावा किया है की आरोप निराधार नहीं है डॉक्टर प्रिंस की डिग्री फर्जी होने का उसके पास सबूत है साथ ही जिस जगह की कॉलेज की डिग्री प्रिंस जायसवाल जमा कर नौकरी कर रहा है वह कॉलेज ही डिग्री फर्जी होने का दावा करता है। वैसे पार्षद ने अपनी शिकायत कई जगह की है लेकिन राज्य सरकार को अपनी जेब में बताने वाला झोलाछाप डॉक्टर प्रिंस जायसवाल बचा हुआ है और व्यवस्था को वह आंख चिढ़ा रहा है। वैसे मुख्यमंत्री के सूरजपुर जिले आगमन पर भी फर्जी झोलाछाप डॉक्टर बताया जा रहा डॉक्टर प्रिंस जायसवाल वरिष्ठ अधिकारियों को ही ओवर टेक करता रहा और उन्हे यह जतलाता रहा की वह ही जिले का सबसे बड़ा अधिकारी है और आईएएस भी उसके सामने बौने हैं। मुख्यमंत्री के आगमन के दौरान डॉक्टर प्रिंस जायसवाल जिस तरह की हरकत करता रहा वह यह साबित करने के लिए काफी था की वह सबसे बड़ा अधिकारी है जिले का मुखिया है।

स्वास्थ्य मंत्री के जन्मदिवस पर भी किसके पैसे से बांटे अखबारों व चैनलों को विज्ञापन ?

स्वास्थ्य मंत्री के जन्मदिवस अवसर पर सबसे प्रसन्न कोई था तो वह फर्जी डिग्री वाला झोलाछाप साबित किया जा रहा सूरजपुर जिले का प्रभारी डीपीएम डॉक्टर प्रिंस जायसवाल था। उसने अनेकों प्रिंट और इलेक्ट्रोनिक मीडिया समूहों को विज्ञापन बांटे थे। अब स्वास्थ्य विभाग में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत पदस्थ प्रभारी डीपीएम इतना पैसा कहां से पा सका की वह कई लाखों का विज्ञापन छपवा सका यह भी बड़ा प्रश्न है? वैसे माना जा रहा है की स्वास्थ्य विभाग का कोई प्रभारी अधिकारी यदि इस तरह से स्वास्थ्य मंत्री के जन्मदिवस पर विज्ञापन प्रकाशित करवा रहा है तो इसका मतलब है की वह मरीजों का और आम लोगों के स्वास्थ्य सुविधा में सेंध लगा रहा है चोरी कर रहा है। कुल मिलाकर देखा जाए तो यह कहना गलत नहीं होगा की फर्जी डिग्री वाला झोलाछाप साबित किया जा रहा डॉक्टर डरा हुआ है और अब वह बचने के लिए अपनी नौकरी बचाने के लिए मरीजों के हक को लुटकर विज्ञापन छपवा रहा है।

क्या स्वास्थ्य मंत्री के जन्मदिन पर बधाई देने से नहीं होगी कार्यवाही ?

प्रभारी डीपीएम सूरजपुर साथ ही फर्जी डिग्री वाला झोलाछाप डॉक्टर बताया जा रहा प्रिंस जायसवाल क्या इसलिए स्वास्थ्य मंत्री के जन्मदिवस पर विज्ञापन छपवा रहा है जिससे उस पर फर्जी मामले में कार्यवाही न हो। वैसे लोगों का यही कहना है की वह इसीलिए स्वास्थ्य मंत्री की चापलूसी में लगा है और प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री जिन्हे काफी गंभीर स्वास्थ्य मामले में बताया जा रहा है उन्हे बदनाम भी करने का कारण बन रहा है। स्वास्थ्य मंत्री की छवि केवल और केवल दो मामले में ही केवल प्रभावित हो रही है जिसमे से एक मामला डॉक्टर प्रिंस का है।

ऑनलाइन प्रविष्टि हेतु पोर्टल प्रारंभ करने प्रतिदिन 1000 जुर्माना वसूल करना अनुचित:फेडरेशन

बोर्ड ऑनलाइन कार्य के लिए विद्यालयों में कंप्यूटर ऑपरेटर की नियुक्ति करे:फेडरेशन

-रवि सिंह-
कोरिया,06 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन ने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर के पत्र क्रमांक डी-537/परीक्षा/2024 रायपुर दिनाँक 1/10/24 के द्वारा परीक्षा वर्ष 2025 हेतु विद्यार्थियों के ऑनलाइन प्रविष्टि हेतु पुनः पोर्टल प्रारंभ करने के लिये विलम्ब शुल्क प्रतिदिन ? 1000 के दर से जुर्माना वसूल करने के आदेश अव्यवहारिक एवं प्रताड़नापूर्ण बताया है। फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी एवं .राजेन्द्र सिंह दद्दा का कहना है कि यह आदेश को शासकीय स्कूलों के लिए राज्य शासन के कल्याणकारी नीति के विरुद्ध है। फेडरेशन ने मुख्यमंत्री, मुख्यसचिव,शिक्षा सचिव, संचालक लोक शिक्षण एवं सचिव छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल को ईमेल भेजकर कड़ा आपत्ति दर्ज किया है।

फेडरेशन के कहना है कि 31जुलाई तक शाला प्रवेश का अंतिम तिथि होता है। कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक प्रवेशित विद्यार्थियों का ऑनलाइन प्रविष्टि 31 अगस्त तक बोर्ड द्वारा निर्धारित किया गया है। लेकिन शासकीय विद्यालयों में अधिकांश विद्यार्थी गरीब परिवार से आते हैं। विद्यार्थियों के माता-पिता मेहनत मजदूरी कर,परिवार का पालन पोषण करते हैं।आर्थिक तंगी के फलस्वरूप स्कूल में प्रवेश के निर्धारित समय में अपने बच्चों का प्रवेश शुल्क एवं बोर्ड परीक्षा शुल्क जमा करने में असमर्थ रहते हैं। लेकिन राज्य शासन के मंशा अनुसार,सबको शिक्षा देने के उद्देश्य से स्कूलों के प्राचार्य,विद्यार्थियों को शिक्षा की धारा से जोड़े रखने प्रवेश दे देते हैं।कुछ मामलों में प्राचार्य/शिक्षक विद्यार्थियों का फीस जमा करते हैं।लेकिन बहुतायत मामलों में यह संभव नहीं हो पाता है। जिसके कारण अनेक मामलों में विद्यार्थियों की ऑनलाइन प्रविष्टि चाहकर भी निर्धारित समय में नहीं हो पाता है।ऐसे परिस्थिति में यदि ऑनलाइन प्रविष्टि में देरी के कारण विद्यालयों से जुर्माना वसूला जाएगा तो भविष्य में यह प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के हित में नहीं होगा। फेडरेशन का कहना है कि पोर्टल को खोलने के लिए छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर के द्वारा दिनाँक 31/8/24 के पश्चात संबंधित संस्था (स्कूलों) से मण्डल को पत्र प्राप्ति तिथि अथवा जिला शिक्षा अधिकारी से प्राप्त एकजाई सूची दिनाँक 25/9/24 तक प्रति दिवस ? 1000 के दर से जुर्माना वसूला जा रहा है। अथार्त 25 दिवस का ? 25000 जुर्माना, जोकि शासकीय विद्यालयों के लिये अव्यवहारिक एवं प्रताड़नापूर्ण है। उल्लेखनीय है कि अशासकीय विद्यालयों का भी कमोबेश यही स्थिति है। फेडरेशन का कहना है कि छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल का विद्या पोर्टल vidia.cgbse.nic.in शालावार शिक्षक संवर्ग एवं विद्यार्थियों की जानकारी प्रविष्ट करने का कार्य करना होता है। कभी-कभी कंप्यूटर/इंटरनेट में तकनीकी खराबी के कारण कार्य प्रभावित होता है। युडाइस एंट्री, स्कॉलरशिप और बोर्ड कार्य एक ही समय सीमा में किये जाने के कारण कार्यभार बढ़ जाता है।संस्था में संसाधनों की कमी तथा तकनीकी जानकर कर्मचारी (कम्प्यूटर ऑपरेटर) के अनुपलब्धता के कारण तकनीकी त्रुटि हो जाता है। *बोर्ड के प्रशासकीय एवं वित्तीय समिति को मैदानी क्षेत्र के समस्याओं के दृष्टिगत निर्णय लेना चाहिये।* शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों से नाम मात्र वार्षिक शुल्क शासन के आदेशानुसार लिया जाता है। विद्यालय के अनेक कार्यप्रयोजन, शासन से प्राप्त आबंटन पर निर्भर रहता है। सेजस स्कूलों में फीस का प्रावधान ही नहीं है। सम्पूर्ण कार्य शासन से आबंटन पर निर्भर रहता है। ऐसे स्थिति में माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा भारीभरकम जुर्माना लगाया जाना अनुचित है।बोर्ड को ऑनलाइन प्रविष्टि हेतु पोर्टल को निशर्त खोलना चाहिये। अन्यथा *क्या प्राचार्य/शिक्षक बोर्ड के जुर्माना को अपने जेब से भरेंगे?

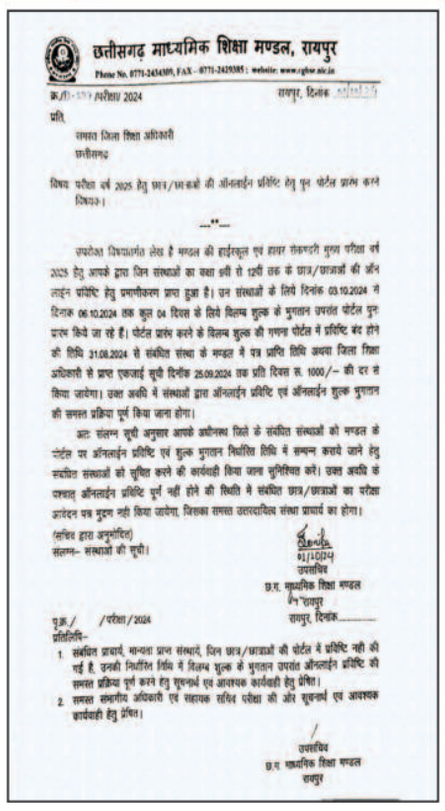

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर
Phone No. 0771-2434309, FAX - 0771-2429385 ; website: www.cgbse.nic.in

क्र./डी-537/परीक्षा/2024 रायपुर, दिनांक

प्रति,
समस्त जिला शिक्षा अधिकारी
छत्तीसगढ़

विषय: परीक्षा वर्ष 2025 हेतु छात्र/छात्राओं की ऑनलाईन प्रविष्टि हेतु पुनः पोर्टल प्रारंभ करने विषयक।

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है मण्डल की हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी मुख्य परीक्षा वर्ष 2025 हेतु आपके द्वारा जिन संस्थाओं का कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र/छात्राओं की ऑन लाईन प्रविष्टि हेतु प्रमाणीकरण प्राप्त हुआ है। उन संस्थाओं के लिये दिनांक 03.10.2024 से दिनांक 06.10.2024 तक कुल 04 दिवस के लिये विलम्ब शुल्क के भुगतान उपरांत पोर्टल पुनः प्रारंभ किये जा रहे हैं। पोर्टल प्रारंभ करने के विलम्ब शुल्क की गणना पोर्टल में प्रविष्टि बंद होने की तिथि 31.08.2024 से संबंधित संस्था के मण्डल में पत्र प्राप्ति तिथि अथवा जिला शिक्षा अधिकारी से प्राप्त एकजाई सूची दिनांक 25.09.2024 तक प्रति दिवस रू. 1000/- की दर से किया जायेगा। उक्त अवधि में संस्थाओं द्वारा ऑनलाईन प्रविष्टि एवं ऑनलाईन शुल्क भुगतान की समस्त प्रक्रिया पूर्ण किया जाना होगा।

अतः संलग्न सूची अनुसार आपके अधीनस्थ जिले के संबंधित संस्थाओं को मण्डल के पोर्टल पर ऑनलाईन प्रविष्टि एवं शुल्क भुगतान निर्धारित तिथि में सम्पन्न कराये जाने हेतु संबंधित संस्थाओं को सूचित करने की कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करें। उक्त अवधि के पश्चात् ऑनलाईन प्रविष्टि पूर्ण नहीं होने की स्थिति में संबंधित छात्र/छात्राओं का परीक्षा आवेदन पत्र मुद्रण नहीं किया जायेगा, जिसका समस्त उत्तरदायित्व संस्था प्रधान का होगा।

(सचिव द्वारा अनुमोदित)
संलग्न- संस्थाओं की सूची।

01/10/24
उपसचिव
छ.ग. माध्यमिक शिक्षा मण्डल
रायपुर

पृ.क्र./ /परीक्षा/2024 रायपुर, दिनांक

प्रतिलिपि-
1. संबंधित प्राचार्य, मान्यता प्राप्त संस्थायें, जिन छात्र/छात्राओं की पोर्टल में प्रविष्टि नहीं की गई है, उनकी निर्धारित तिथि में विलम्ब शुल्क के भुगतान उपरांत ऑनलाईन प्रविष्टि की समस्त प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु सुचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
2. समस्त समागीय अधिकारी एवं सहायक सचिव परीक्षा की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

उपसचिव
छ.ग. माध्यमिक शिक्षा मण्डल
रायपुर

आशा महेश साहू ने छिंदीया में किया विकास कार्यों का लोकार्पण

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,06 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

जनपद पंचायत बैकुंठपुर की उपाध्यक्ष आशा महेश साहू ने अपने निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत छिंदीया में अपने निधि व अन्य मद से निर्मित दुर्गा पंडाल, देवालय परिषर मे शेड निर्माण, आंगनबाडी बाड़ी परिषर मे फर्शीकरण, तालाब मे घाट निर्माण सहित अन्य कार्यो का लोकार्पण कर ग्रामवाशियों को विकास की सौगात दी आशा महेश साहू ने उपस्थित जन समुदाय को संबोधित कर कहां की आप लोगों ने मुझ पर जो भरोसा किया जो कार्य सौपा है उस पर मैं खरा उतरने की हर संभव कोशिश कर रही हूं और मैं क्षेत्र की विकास के लिए हमेशा हर संभव प्रयासरत हूं लोकार्पण अवसर पर ग्राम पंचायत छिंदीया की सरपंच हेमलता सिंह ग्राम पंचायत अमहर की सरपंच मोनिया सिंह सचिव मनोज साहू दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष शिव बच्चन कुशवाहा, कमला कुशवाहा, टेश्वर राजवाड़े, मोतीलाल राजवाड़े, तुलेश्वर राजवाड़े, भाग्यश्री राजवाड़े, आराध्या साहू, जितेन देवांगन वह ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

नवरात्रि महापर्व पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के नाम पर लोगों को

परोसा गया फुहड़ डांस...वीडियो हुआ वायरल

बाहर से बार बालाओं को बुलाकर डांस का कराया गया आयोजन... फुहड़ता की चर्चा हुई आम

फूहड़ डांस का वीडियो सोशल मीडिया में हो रहा जमकर वायरल

नवरात्रि पर्व पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के नाम पर खुलेआम परोसी गई अश्लीलता

कार्यक्रम स्थल पर नाबालिक बच्चे भी आए नजर...देर रात तक चलता रहा अश्लील डांस

मैनपाट के ब्लाक मुख्यालय नर्मदापुर में कराया गया आयोजन

-विशेष संवाददाता-
अंबिकापुर,06 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

हमारे देश और समाज किस ओर जा रहा है यह इस समय बड़ा सवाल खड़ा होने लगा है, भारतीय संस्कृति को किस तरह का ग्रहण लगा है यह भी विचारणीय हो गया है, क्योंकि जहां धार्मिक स्थलों में सिर्फ भक्ति की सोच होनी चाहिए वहां पर अब अश्लीलता ही का बोल बाला होने लगा है, हिंदू धर्म में भक्ति स्थल को सबसे पवित्र स्थल माना जाता है यहां पर लोग अपनी श्रद्धा के साथ शीश झुकाया करते हैं और श्रद्धा भावना के तहत अपने आराध्य की पूजा अर्चना करते हैं, जहां अपने आराध्य का आशीर्वाद बने रहे इसके लिए हर संभव परहेज किया जाता है, व्रत किया जाता है लेकिन क्या अश्लीलता का परहेज लोगों से नहीं हो पा रहा है? यह बात इस समय इसलिए हो रही है क्योंकि शारदेय नवरात्रि का पर्व चल रहा है और छत्तीसगढ़ के शिमला में महिला डांसरों का अश्लील डांस, दो अर्थ वाले गाने पर रातभर थिरकते रहे युवा नजर आए। वहीं नवरात्रि के बीच मैनपाट के नर्मदापुर ग्राउंड में जो सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ है उसके संदर्भ में नर्मदापुर दुर्गा पूजा समिति के पदाधिकारियों का कहना है कि हमारे द्वारा नहीं कराया गया है। धार्मिक स्थल पर जहां महिलाएं बच्चे बूढ़े सब खड़े रहते हैं ,उपस्थित रहते हैं वहां पर क्या ऐसे कार्यक्रमों से मर्यादा तारतार

नहीं होती? क्या यही संस्कृति व संस्कार हमारे देश की है या हमारे क्षेत्र की है, अब हमारी संस्कृति व संस्कार पर भी सवाल उठ खड़े हुए हैं।

वायरल वीडियो के अनुसार छत्तीसगढ़ के शिमला के नाम से मशहूर मैनपाट में नवरात्रि के दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में अश्लीलता परोसी गई। 4 अक्टूबर की रात चले इस कार्यक्रम में महिला डांसरों ने दो अर्थ वाले गाने पर अश्लील डांस किए। इस डांस का लुत्फ वहां मौजूद युवाओं व ग्रामीणों ने भी जमकर उठाया। वे भी डांसरों के साथ रातभर थिरकते रहे। अश्लील डांस का वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। क्षेत्र के सभ्य लोगों ने प्रशासन से आयोजनकर्ताओं पर कार्रवाई की मांग की है। वहीं नवरात्रि में मैनपाट के नर्मदापुर में भी दुर्गा पूजा समिति द्वारा मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की गई है। 4 अक्टूबर की रात नर्मदापुर मिनी स्टेडियम में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। ऑर्केस्ट्रा में भक्ति गीतों की जगह अश्लील व द्विअर्थी गाने की प्रस्तुति दी गई थी।

प्रशासन तक पहुंचा वीडियो

वायरल हो रहे कई वीडियो को सोशल मीडिया में डालकर लोगों ने कमेंट्स भी करना शुरु कर दिया है। लोगों का कहना है कि प्रशासन को स्वयं इसका संज्ञान लेकर आयोजनकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। मामले को संज्ञान में लेते हुए सीतापुर एसडीएम ने जांच पश्चात आयोजको के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही है।

समिति ने पूरा आयोजन से किया किनारा

आयोजन से हमारा कोई लेना-देना नहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम को नर्मदापुर दुर्गा पूजा समिति द्वारा कराए जाने की चर्चा क्षेत्र में चल रही है। इधर दुर्गा पूजा समिति के संरक्षक सुरेश अग्रवाल व एक अन्य पदाधिकारी ने वीडियो जारी कर कहा है कि उनके द्वारा यह आयोजन नहीं कराया गया है। जिसने भी आयोजन कराया है, उससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है।

दुर्गा पूजा पंडालों में अश्लीलता का यह कोई पहला मामला नहीं,पहले भी हुई है ऐसी घटनाएं,और पुलिस भी तब दिखी थी मंच पर

दुर्गा पूजा पंडालों में अश्लील नृत्य प्रस्तुति की घटना यह कोई पहली घटना नहीं है पहले भी कई बार ऐसी घटनाएं या कार्यक्रम होते रहे हैं और आगे भी होंगे इसमें कोई संदेह नहीं। संभाग के ही कई जगहों पर दुर्गा पूजा पंडालों में इस वर्ष के लिए अश्लील नृत्य प्रस्तुति की तैयारी हो गई है और बस अब एक एक करके कार्यक्रम होते जायेंगे और जहां माता दुर्गा की पूजा के लिए नवरात्रि का पर्व प्रसिद्ध और आस्था का विषय माना जाता था अब ऐसे अश्लील आयोजनों से सभ्य समाज को भी विचार करना पड़ रहा है और वह कहीं न कहीं सोचने पर मजबूर है की क्या अश्लील नृत्य आयोजन के बिना पूजा अनुष्ठान नहीं हो सकता।

आखिर पूजा के समय ही क्यों सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कराती हैं दुर्गा पूजा समतियां,क्या इसके पीछे राजनीतिक दखलंदाजी ?

दुर्गा पूजा जैसे पवित्र सनातनी पर्व को आज अश्लीलता परोसने का एक अवसर बना दिया जा रहा और लगातार देखा जा रहा है की दुर्गा पूजा समितियां ही अश्लील कार्यक्रम आयोजित कर रही हैं और पूजा की बजाए कार्यक्रम कराना ही उनका उद्देश्य हो गया है। सनातन संस्कृति या धर्म अनुसार नवरात्रि पर्व अवसर पर माता दुर्गा की पूजा अर्चना का विधान है इस पवित्र अवसर पर दुर्गा पूजा पंडालों में अश्लील नृत्य आयोजन या कोई भी नृत्य आयोजन केवल इसलिए होता है क्योंकि जिससे राजनीतिक छवि वाले या उससे जुड़े लोग अपनी पहचान लोगों के सामने रख सकें।बता दें की सांस्कृतिक कार्यक्रमों की जगह यदि पूजा पंडालों में धार्मिक अनुष्ठान रामायण प्रतियोगिता या धर्म ज्ञान के विषय में कोई परिचर्चा जैसे कार्यक्रम किए जाते समाज को नई दिशा मिलती अपराध भी घटते। अब देखना है की मैनपाट की घटना इस वर्ष की आखिरी घटना है की अभी और भी अश्लीलता सामने आएगी जहां मामला दुर्गा पूजा पंडालों से जुड़ेगा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के नाम पर परोसी जाती है फुहडता ?

सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देने आई महिला डांसरों ने इन गानों पर अश्लील डांस भी किए। रातभर यह आयोजन चलता रहा। यहां मौजूद युवाओं व किशोरों ने भी महिला डांसरों की ओर अश्लील इशारे कर डांस किया। इसके वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

अवैध महुआ शराब परिवहन करने वाला गिरफ्तार

-संवाददाता-
कोरबा,06 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक कोरबा राजेश कुकरेजा (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अति. पुलिस अधीक्षक कोरबा श्रीमति नेहा वर्मा (रा.पु.से), नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा भूषण एक्का (रा.पु.से.) के मार्गदर्शन पर लगातार जुआ, सट्टा, आबकारी एवं नारकोटिक्स एक्ट की कार्यवाही हेतु निर्देश प्राप्त होने पर निरीक्षक युवराज तिवारी थाना प्रभारी थाना उरगा के नेतृत्व में लगातार पेट्रोलिंग कर कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में आज दिनांक

06.10.2024 को मुखबीर से सूचना मिला कि एक व्यक्ति मोटर सायकल से भारी मात्रा में अवैध महुआ शराब लेकर जा रहा है। मुखबीर की सूचना पर रेड कार्यवाही करते हुए चीतापाली पुलिया के पास एक व्यक्ति मोटर सायकल में आते दिखा जिसे रूकवाकर पूछताछ किया गया। जो अपना नाम ज्ञान लाल चौहान पिता जीरात राम चौहान उम्र 38 वर्ष सा0 कोहडिया चारपारा सीएसईबी थाना सिविल लाईन का रहने वाला बताया। जिसके कब्जे से सफेद रंग के प्लास्टिक पन्नी में करीब 25 लीटर कच्ची महुआ शराब किमती-2500 रूपये व मोटर सायकल होण्डा एक्स ब्लेड मिला जिसे गवाहों के समक्ष जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया। उक्त आरोपी का कृत्य धारा 34(2) आबकारी एक्ट का पाये जाने से अप.क्र. 398/24 धारा 34(2) आबकारी एक्ट कायम कर गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। उक्त कार्यवाही में वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन पर निरीक्षक युवराज तिवारी, प्र.आर. 181 सुनील पाण्डेय, आर. 64 झंगल मंझवार, आर. 730 महासिंह सिदार की सराहनीय भूमिका रही।

सजग कोरबा के तहत चलाया जा रहा जागरूकता अभियान

-संवाददाता-
कोरबा,06 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक श्री तिवारी के निर्देशानुसार जिले मे सजग कोरबा अभियान चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत साईबर क्राइम, नशा के खिलाफ जागरूकता, अभिव्यक्ति ऐप, मैत्री महिला सुरक्षा हेल्पलाइन एवं यातायात के नियमों की जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में चौकी जटगा पुलिस के द्वारा क्षेत्र के ग्राम पौड़ी गोसाई में बालिकाओं व महिलाओं को अभिव्यक्ति ऐप और मैत्री हेल्पलाइन के संबंध में जानकारी दिया जा रहा

है एवं महिलाओं को किन-किन परिस्थितियों में इस ऐप का इस्तेमाल करना है और इसके क्या-क्या फायदे हैं उसके बारे में भी पुलिस के द्वारा बताया एवं समझाया जा रहा है साथ में नशा के ख़िलाफ़, यातायात नियम और साइबर अपराध के संबंध में जागरूक किया जा रहा है। इसी प्रकार सर्वमंगला मंदिर, मड़वारानी मंदिर, चैतुरगढ़ मंदिर, गरबा स्थल और दुर्गा पंडालों में ऑडियो चलाकर और सजग कोरबा के बैनर लगाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। ज्ञात हो कि कोरबा पुलिस के द्वारा सजग कोरबा के तहत वाट्सअप, फ़ेसबुक, इंस्टाग्राम एवं अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से भी जागरूक किया जा रहा है।

कोरिया एमसीबी जिले में नियम विरुद्ध संलग्नीकरण से चरमरा जाएगी शिक्षा व्यवस्था

क्या शिक्षकों को संलग्न करने के एवज में ली गई मोटी रकम या फिर नेताओ की अनुकम्पा पर हुआ संलग्नीकरण ?

पूर्व सरकार के बाद नई सरकार में भी जारी हुआ है आदेश

विधानसभा में शिक्षामंत्री की घोषणा के बाद प्रदेश भर में गैर शिक्षकीय कार्य में संलग्न शिक्षकों को वापस भेजे जाने संबंधी आदेश आज जारी कर दिया गया है। इस सन्दर्भ में आदेश दिया गया है कि गैर शैक्षणिक कार्यों में संलग्न सभी शिक्षक संवर्ग के कर्मचारियों का संलग्नीकरण तत्काल समाप्त किया जाकर, उन्हें उनके मूल पदस्थापना शाला में अध्यापन कार्य हेतु कार्यमुक्त किया जाये। संलग्नीकरण समाप्त किये जाने संबंधी प्रमाण पत्र 07 दिवस के भीतर संचालक, लोक शिक्षण को अनिवार्यतः प्रेषित करें। साथ ही यह भी उल्लेख किया गया है कि यह निर्देश तत्काल प्रभावशील होगा और इसका कड़ाई से पालन किया जाना सुनिश्चित करें। गौरतलब प्रदेश भर में हर वर्ष संलग्नीकरण का मुद्दा जोर-शोर से उठता है और इसे समाप्त करने के लिए शासन द्वारा कड़ा पत्र विभागों को लिखा जाता है, मगर बहुत ही कम शिक्षकों और कर्मचारियों का संलग्नीकरण ख़त्म करके उन्हें मूल कार्य में वापस भेजा जाता है। बड़ी संख्या में शिक्षक तो बीएओ, डीईओ सहित शिक्षा विभाग के अन्यार्यलयों में गैर शिक्षकीय कार्यों में संलग्न हैं। आलम ये है कि अनेक विधायकों और मंत्रियों के कार्यालयों में भी शिक्षक संलग्न कर दिए जाते हैं। इन्हें आखिर कैसे हटाया जायेगा, यह सवाल उठना लाजिमी है।

-रवि सिंह-
कोरिया/एमसीबी,06 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

नवीन शिक्षा सत्र का आगाज हो चुका है पर नवीन शिक्षा सत्र में विभाग कितनी बेहतर शिक्षा व्यवस्था दे पाएगा ये शिक्षकों के संलग्नीकरण को देख कर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है, कोरिया एमसीबी जिले में खुले आम शिक्षा के अधिकार अधिनियम का खुला उल्लंधन किया जा रहा है। आलम यह है कि दुरस्त क्षेत्र के कई शिक्षक जुगाड़ से अन्यत्र स्थानों पर अपना संलग्नीकरण कराए हुए है, उनको अन्यत्र स्कूलों में जाने से मूल पदस्थापना वाले स्कूलों में व्यवस्था पूरी तरह ठप्प है।

उल्लेखनीय है कि पहले से ही शिक्षा विभाग स्टॉफ का रोना हो रहा है इसके बाद भी जान बुझ कर शिक्षको को अन्यत्र जगह संलग्न करना एवं उनसे गैर शिक्षकीय कार्य कराना बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने जैसा प्रतीत हो रहा है। कोरिया एमसीबी जिले में कई शिक्षक लंबे समय से तहसील कार्यालय में संलग्न है और कोरिया रामगढ़ क्षेत्र जैसे वनांचलों से शिक्षकों को सोनहत की ओर संलग्न कर दिया गया है, ग्रामीणों ने इस बाबत कलेक्टर कोरिया को

आवेदन भी दिया हुआ है अब यह तथ्य समझ से परे है कि शिक्षकों को सालों से तहसील व अन्य कार्यालयों में संलग्न करके उनके स्थानों पर क्या खुद एसडीएम व तहसीलदार दूसरी व्यवस्था दे पाएंगे यह बड़ा सवाल है इसके साथ यह भी बड़ा सवाल है कि जब जिम्मेदार अधिकारी ही नियमो की धज्जियां उड़ाएंगे तो शासन के निर्देशों का पालन कौन करवाएगा?

संलग्नीकरण खत्म करने की मांग

विकासया शिक्षा कार्यालय में कई शिक्षकों को मनमाने तरीके से लाभ के पद पर अटैच किया जाना सवालिया होता जा रहा है। कई शिक्षक विगत कई वर्षों अन्यत्र गैर शिक्षकीय कार्य कर रहे हैं। परन्तु अभी तक उन्हें मूल स्थान पर वापस नहीं भेजा जाना जांच का विषय होता जा रहा है। गौरतलब है कि खण्डस्तर पर अधिकांश शिक्षक उच्च स्तर पर पहुंच रखते हैं। जिससे वे स्कूल कार्य को छोड़ कर अन्य विभागीय कार्य करने में अधिकारियों का आदेश को बता कर व्यस्त है। देश प्रदेश में शिक्षा अधिकार कानून लागू हो चुका है और शिक्षकों को शिक्षण कार्य करना आवश्यक हो गया ऐसे में गैर शिक्षकीय कार्य मे संलग्न संबंधित शिक्षक कितने घन्टे शिक्षण कार्य करेगे यह अनसुलझा रहस्य है। प्रशासनिक स्तर पर शिक्षकों को कार्य के प्रति सजग रह सेवा देने बैठकों में कहा जा रहा है। परन्तु यहां स्थिति बिल्कुल विपरीत है शिक्षक मात्र।

वनांचलों में ज्यादा दिक्कत

सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार जिला मुख्यालय के अलावा दूसरे ब्लॉक सोनहत के वनांचल क्षेत्र के अधिकांश शिक्षक गैर शिक्षकीय कार्य और कुछ अन्य पास के शालाओं में संलग्न है जिससे वनाचलो कि व्यस्था शुरुवात में ही खराब है।

कैसे सफल होगी नई शिक्षा नीति

छत्तीसगढ़ शासन ने भी शिक्षा सत्र 2024-25 से नई शिक्षा नीति 2020 को लागू कर दिया है। नवीन सत्र में बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण भी आयोजित कराये गए हैं। परन्तु संलग्नीकरण के कारण कुछ शिक्षक कई वर्षों से मूल पदस्थापना से अन्यत्र संलग्न हैं। ऐसे में शिक्षा विभाग कैसे नई शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों को प्राप्त कर पायेगा विचारणीय प्रश्न है।

क्या जिला शिक्षा अधिकारी कर पाएंगे कार्यवाही ?

सवाल यह है कि क्या नव पदस्थ जिला शिक्षा अधिकारी संलग्नीकरण खत्म कर पाएंगे या अन्य पुर्व जिला शिक्षा अधिकारियों की तरह सरकारी आदेशो को डस्ट विन में डालने का कार्य करेंगे ये देखने वाली बात होगी।

डांडिया स्थल पर जय हो टीम बाल विवाह रोकने लोगों को कर रहा जागरूक

जशपुरनगर,06 अक्टूबर 2024(घटती-घटना)। जिला प्रशासन एवं यूनिसेफ द्वारा संचालित जय हो की टीम और कार्यक्रम के स्वयं सेवकों ने जशपुर शहर के गरबा कार्यक्रम वाले स्थलों में लोगों को बाल विवाह विवाह पर रोक लगाने हेतु जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जहां टीम द्वारा पोस्टर के माध्यम से लोगों को जानकारी दे रहे है। इसी प्रकार कार्यक्रम स्थल में जागरूकता ऑडियो भी चलाया जा रहा है। टीम द्वारा बाल विवाह पर रोक लगाने के लिए विभिन्न उपायों की पर जोर दिया जा रहा है। इसके लिए शिक्षा, जागरूकता, और कानून का सख्ती से पालन जरूरी है। शिक्षा का प्रचार ले कियों की शिक्षा को प्राथमिकता देकर उनके अधिकारों और विकल्पों के बारे में जागरूक करना सख्त कानून बाल विवाह के खिलाफ क्रियान्वयन करना।

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0)

मुद्रण कार्य के लिए निविदा सूचना

क्रमांक 465/ दिनांक / 03 /10 / 2024

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जिला बलरामपुर-रामानुजगंज से नगरपालिकाओं के आगामी आम चुनावों के लिए, नगरपालिकाओं की वार्डवार तैयार की गई निर्वाचक नामावली के मुद्रण हेतु मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

1. निविदा फार्म (जिसका कि मूल्य रूपए 100/ -है) अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से किसी भी दिन कार्यालयीन समय के दौरान प्राप्त किया जा सकता है। निर्धारित फार्म में भरी निविदाएं मेरे कार्यालय में दिनांक 10/ 10/ 2024 को अपरान्ह 03.00 बजे तक प्राप्त की जाएगी और उसी दिन अपरान्ह 04.00 बजे उपस्थित निविदाकारों या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जाएंगी।
2. फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली मुद्रण के लिए कागज सहित दर लेजर प्रिंट, डिजिटल प्रिंट के लिए मंगवाई जावेगी।
3. निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी मेरे कार्यालय में उप जिला निर्वाचन अधिकारी (नगरपालिका)से सम्पर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

कलेक्टर
एवं जिला निर्वाचन अधिकारी
जिला बलरामपुर-रामानुजगंज

जी.नंबर-242502961/1 वास्ते सचिव,छ0ग0 निर्वाचन आयोग छत्तीसगढ़

संक्षिप्त खेल की खबरें

मेदवेदेव ने शंघाई में अर्नाल्डी को हराया

बारिश के कारण युगल मैच रद्द

शंघाई,06अक्टूबर 2024। दानिल मेदवेदेव ने रविवार को एटीपी शंघाई मास्टर्स 1000 इवेंट में मातयो अर्नाल्डी को 5-7, 6-4, 6-4 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। मेदवेदेव शंघाई में अगले दौर में 10वीं वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सितसिपास या एलेक्जेंडर मुलर से भिड़ेंगे, जहां वह मई 2023 में रोम में जीत के बाद अपने पहले टूर-स्तरीय खिताब की तलाश में हैं।28 वर्षीय रूसी खिलाड़ी चीन में एटीपी फाइनल्स क्वालीफिकेशन की दिशा में और कदम बढ़ाना चाहते हैं। वह वर्तमान में एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में चौथे स्थान पर हैं और लगातार छठे साल प्रतिष्ठित सीजन के फाइनल में अपनी जगह पक्की करने की मजबूत स्थिति में हैं।

चीनी पैडलर्स ने पुरुष और महिला युगल ट्रॉफी जीती

बीजिंग (चीन),06 अक्टूबर 2024। चीन के वांग चुकिन और लियांग जिंगकुन ने शनिवार को यहां विश्व टेबल टेनिस (डब्ल्यूटीटी) चाइना स्मैश में पुरुष युगल खिताब जीतने के लिए टीम के साथी लिन शिडोंग और लिन गाओयुआन के खिलाफ पांच गेमों में जीत हासिल की।इस बीच, चेन ज़िंगटोंग और कियान तियानयी ने सभी चीनी महिलाओं के युगल फाइनल में चार गेमों में सन यिंगशा और वांग यिदी को हराया। चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी वांग/लियांग ने 8-11, 4-11, 11-6, 11-8, 11-9 के स्कोर के साथ जीत हासिल करने के लिए संघर्ष किया।

2 टीमों के बीच होगा सीपीएल 2024 का फाइनल मैच

गुयाना,06अक्टूबर 2024। कैरिबियन प्रीमियर लीग का रण अपने आखिरी पड़ाव पर पहुंच चुका है। फाइनल मुकाबला इमरान ताहिर की कप्तानी वाली गुयाना अमेजन वॉरियर्स और फॉफ डु प्लेसिस की अगुवाई वाली सेंट लूसिया किंग्स के बीच होगा। इमरान ताहिर की अगुवाई में गुयाना की टीम लगातार दूसरा सीपीएल खिताब जीतने के करीब है। फाइनल मुकाबला 7 अक्टूबर को गुयाना के प्रोविडेंस स्टेडियम में खेला जाएगा।

नूर अहमद ने की है कमाल की गेंदबाजी

सेंट लूसिया के नूर अहमद पिछले कुछ समय से बहुत ही शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने मौजूदा सीजन में अभी तक 11 मैचों में 19 विकेट अपने नाम किए हैं। वह टीम के लिए ट्रंप कार्ड साबित हुए हैं। जॉनसन चार्ल्स मौजूदा सीजन में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर हैं। उन्होंने अभी तक 11 मैचों में कुल 445 रन बनाए हैं। सेंट लूसिया किंग्स की टीम कैसा प्रदर्शन करती है। काफी हद तक इन दोनों प्लेयर्स पर निर्भर करेगा।

दोनों टीमों के पास स्टार प्लेयर्स मौजूद

गुयाना की टीम में रहमानुल्लाह गुरबाज, मोईन अली, साई होप, रोमारियो शेफर्ड, इमरान ताहिर और शिमरोन हेटमायर जैसे स्टार प्लेयर्स मौजूद हैं। वहीं दूसरी तरफ सेंट लूसिया किंग्स के पार जॉनसन चार्ल्स , फॉफ डु प्लेसिस, अल्जारी जोसेफ और डेविड वीजे जैसे प्लेयर्स मौजूद हैं। कैरेबियन प्रीमियर लीग 2024 का फाइनल मुकाबले का लाइव फैंस स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क और लाइव स्ट्रीमिंग फैनकोड ऐप पर देख सकते हैं। ये मुकाबला भारतीय समयानुसार सुबह 4:30 बजे 7 अक्टूबर को शुरू होगा।

गुयाना अमेजन वारियर्स स्क्वायॅडः-

रहमानुल्लाह गुरबाज, मोइन अली, शाई होप (विकेटकीपर), शिम्रोन हेटमायर, रोमारियो शेफर्ड, ड्वेन प्रीटोरियस, कीमो पॉल, रेमन रीफर, केविन सिंक्लेयर, गुडाकेश मोटी, इमरान ताहिर (कप्तान), शमर जोसेफ, रोनाल्डो अलीमोहम्मद, आजम खान, मैथ्यू नंदू , केवलॉन एंडरसन, टिम रॉबिन्सन, जूनियर सिंक्लेयर

सेंट लूसिया किंग्स स्क्वायॅडः-

फाफ डु प्लेसिस (कप्तान), जॉनसन चार्ल्स रोस्टन चेज़, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), डेविड विसे, मैथ्यू फोर्डे, जोहान जेरेमिया, एकीम अगस्टे, अल्ज़ारी जोसेफ, खारी पियरे, नूर अहमद, आरोन जोन्स, भानुका राजपक्षे, मैककेनी क्लार्क, सैड्रैक डेसकार्ट, मिकेल गोविया, खारी कैंपबेल

भारत में होगा एशिया कप 2025

नई दिल्ली,06 अक्टूबर 2024। एशिया कप का आयोजन एशियन क्रिकेट कार्उंसिल करवाता है। एशिया कप के अलावा एसीसी विमेंस एशिया कप, मेंस अंडर-19 एशिया कप, मेंस इमरजिंग टीम एशिया कप, विमेंस अंडर-19 एशिया कप और विमेंस इमरजिंग टीम एशिया कप टूर्नामेंट भी आयोजित करवाता है। अब एशियन क्रिकेट काउंसिल ने टूर्नामेंट के मीडिया राइट्स का प्रपोजल रखा है, जिसके लिए 170 मिलियन डॉलर लगभग 1428.51 करोड़ रुपए बेस प्राइस रखा है।

मीडिया राइट्स का हुआ ऐलान

क्रिकेबज की रिपोर्ट्स के मुताबिक राइट्स पैकेज का मुख्य आयोजन पुरुष एशिया कप है। इसके कुल चार एडिशन 2024-2031 के बीच में होंगे। पुरुष एशिया कप 2025 का आयोजन भारत में आयोजित किया जाएगा, जो टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। इसके बाद 2027 में बांग्लादेश में वनडे फॉर्मेट में होगा। 2029 में पाकिस्तान में टी20 फॉर्मेट और आखिरी में श्रीलंका में वनडे फॉर्मेट में आयोजन होगा। एशिया कप के हर एडिशन में कुल 13 मुकाबले होंगे। ब्रॉडकास्टर्स के लिए भारत बनाम पाकिस्तान मैच अहम होता है। एशिया कप के हर एडिशन भारत बनाम पाकिस्तान के बीच दो मुकाबले हो सकते हैं। एक एडिशन में तीन बार भी भिड़ सकते हैं। वह भी तब जब दोनों टीमें फाइनल में भिड़ेंगी।

पिछला एशिया कप हाइब्रिड मॉडल पर हुआ

एशिया कप 2024 की मेजबानी पाकिस्तान को मिली थी, लेकिन तब भारत ने वहां जाने से मना कर दिया। इसी वजह से फिर इसे हाइब्रिड मॉडल पर खेला गया। जहां भारतीय टीम के मैच श्रीलंका में हुए थे। वहीं पाकिस्तानी क्रिकेट टीम ने कुछ मैच अपनी धरती पर भी खेले थे। इस टूर्नामेंट का खिताब भारत ने श्रीलंका को हराकर जीता था।

ई-ऑक्शन के जरिए चुने जाएंगे विजेता

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक मीडिया राइट्स की कीमत और विजेता ई-ऑक्शन के जरिए ही तय किए जाएंगे। इसमें शामिल होने के लिए 30 अक्टूबर तक दुबई में टेक्निकल बिड जमा करनी होगी। अब देखने वाली बात होगी कि इसमें कौन से ब्रॉडकास्टर्स दिलचस्पी दिखाते हैं।

रोहित-विराट टी 20 आई से ले चुके संन्यास

पुरुष एशिया कप 2025 जो भारत में होना है, वह टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा। इसमें सुपरस्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली इस वजह से नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि रोहित-विराट टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट ले चुके हैं। वहीं 2027 में होने वाले एशिया कप वनडे फॉर्मेट में होगा। अगर तब तक रोहित-विराट वनडे फॉर्मेट में खेलना जारी रखते हैं, तो वह 2027 वाले एशिया कप में खेल सकते हैं।

पाकिस्तान बनाम इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का आगाज आज से

लंदन,06 अक्टूबर 2024। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 7 अक्टूबर से खेला जाएगा और अब इसके लिए दोनों टीमों ने अपनी प्लेयिंग11 का ऐलान कर दिया है। इंग्लैंड के नियमित कप्तान बेन स्टोक्स चोटिल हैं इसी वजह से उनकी जगह कप्तानी की जिम्मेदारी ओली पोप संभाल रहे हैं। वहीं पाकिस्तानी टीम की कमान शान मसूद के हाथों में है। पाकिस्तान बनाम इंग्लैंड के बीच पहला मुकाबला 7 अक्टूबर को मुल्तान में खेला जाएगा। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिए दोनों टीमों के लिए ये सीरीज बहुत ही अहम है। इंग्लैंड ने अपनी पिछली सीरीज में टेस्ट सीरीज में श्रीलंका को हराया था। वहीं पाकिस्तानी टीम को बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज 2-0 से गंवानी पड़ी थी। शान मसूद की कप्तानी में पाकिस्तान ने अभी तक कुल 5 टेस्ट मुकाबले खेले हैं और सभी हारे हैं। ऐसे में अंग्रेजों के खिलाफ कप्तान मसूद जीत दर्ज करना चाहेंगे।

डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल में 8वें नंबर पर है टीम

पाकिस्तान क्रिकेट टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 की प्वाइंट्स टेबल में 8वें नंबर पर मौजूद है। टीम ने अभी तक 7 मुकाबले खेले हैं, जिसमें से सिर्फ दो जीते हैं और पांच हारे हैं। टीम का पीसीटी 19.05 है। इंग्लैंड की टीम चौथे पायदान पर काबिज है। टीम ने 16 मुकाबले खेले हैं और सिर्फ 8 ही जीते हैं। जबकि 7 मैचों में हार मिली है। उसका पीसीटी 42.19 है।

फैन कोड ऐप पर देख सकते हैं लाइव स्ट्रीमिंग

पाकिस्तान बनाम इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज के लाइव मैच टेलीविजन भी किसी चैनल पर प्रसारित नहीं किए जाएंगे। लेकिन फैंस भारत में इस सीरीज के मैच का लुत्फ लेना लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से फैनकोड ऐप पर देख सकते हैं। इसके लिए बस आपको फैनकोड ऐप डाउनलोड करना होगा और सब्सक्रिप्शन लेना होगा।

पहले टेस्ट मैच के लिए दोनों टीमों की प्लेयिंग 11

पाकिस्तानः- सैम अयूब, अब्दुल्ला शफीक, शान मसूद (कप्तान), बाबर आजम, सऊद शकील, मोहम्मद रिजवान, सलमान अली आगा, आमिर जमाल, शाहीन शाह अफरीदी, नसीम शाह, अबरार अहमद।

इंग्लैंडः- जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप (कप्तान), जो रूट, हैरी ब्रूक, जेमी स्मिथ, क्रिस वोक्स, गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्से, जैक लीच, शोएब बशीर

रोहित और विराट नहीं क्रिस गेल ने एमएस धोनी को बताया भारत का सबसे सफल कप्तान

वेस्टइंडीज,06 अक्टूबर 2024। वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर क्रिस गेल ने महेंद्र सिंह धोनी (एमएस धोनी) को भारत का सबसे सफल कप्तान बताया है। उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली ने भी कप्तान के तौर पर अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई. आपको बता दें कि एम.एस. धोनी ने अपनी कप्तानी में भारत को 200 वनडे मैचों में से 110 में जीत दिलाई, जबकि 74 मैच हारे। वहीं, 16 मैचों में कोई नतीजा नहीं निकला। धोनी के नेतृत्व में टीम इंडिया ने तीन आईसीसी ट्रॉफी जीती हैं जिनमें 2007 आईसीसी टी20 विश्व कप, 2011 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप और 2013 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी शामिल हैं। दरअसल, भारतीय टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी ने बतौर कप्तान राष्ट्रीय टीम के लिए कुल 332 मैच खेले हैं। क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट. उनके नेतृत्व में भारत ने 178 मैच जीते

हॉकी इंडिया ने सुल्तान ऑफ जोहोर कप के लिए 18 सदस्यीय जूनियर टीम की घोषणा की

बेंगलुरु,06 अक्टूबर 2024। हॉकी इंडिया ने रविवार को 18 सदस्यीय जूनियर पुरुष टीम की घोषणा की, जो मलेशिया में सुल्तान ऑफ जोहोर कप के 12वें संस्करण में भाग लेने के लिए तैयार है। नवनियुक्त मुख्य कोच पीआर श्रीजेश मलेशिया में टीम की कमान संभालेंगे, जबकि आमिर अली कप्तान होंगे और रोहित उनके डिप्टी होंगे। भारत अपने अभियान की शुरुआत 19 अक्टूबर को जापान के खिलाफ करेगा, उसके बाद 20 अक्टूबर को ग्रेट ब्रिटेन से भिड़ेगा। एक दिन के आराम के बाद, भारत 22 अक्टूबर को मेजबान मलेशिया से भिड़ेगा और उसके बाद 23 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला होगा। आखिरी ग्रुप स्टेज मैच में, 25 अक्टूबर को, भारत न्यूजीलैंड से भिड़ेगा और 26 अक्टूबर को होने वाले फाइनल में पहुंचने के लिए पूल में शीर्ष दो टीमों में शामिल होने की उम्मीद करेगा।

आपने पति अमिताभ बच्चन से पूछकर कमबैक किया?

यह सवाल सुनकर जया बच्चन ने दिया था करारा जवाब

जया बच्चन ने साल 1973 में अमिताभ बच्चन से शादी करने के बाद फिल्मों से ब्रेक ले लिया था। वह परिवार और बच्चों को संभालने लगी थीं। उस वक्त अमिताभ ने कहा था कि एक्टिंग से ब्रेक लेने का फैसला सिर्फ जया का था। लेकिन जब एक्ट्रेस ने 19 साल बाद साल 1998 में कमबैक किया, तो फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं रहा था। जया बच्चन ने गोविंद निहलानी की फिल्म एक हजार चौरासी की मां से कमबैक किया था। जया से जब पूछा गया कि क्या उन्होंने अमिताभ बच्चन से पूछकर फिल्मों में वापसी की है, तो करारा जवाब दिया था।

जया बच्चन ने साल 1997 में रेडिफ को इंटरव्यू दिया था। उस वक्त वह कमबैक कर रही थीं। जया से जब पूछा गया कि क्या ब्रेक के दौरान उन्हें फिल्मों के ऑफर मिले थे, तो उन्होंने कहा था, आपको हैरानी होगी, पर जवाब है नहीं, मुझे कोई ऑफर नहीं मिले।

मैंने फिल्म इंडस्ट्री छोड़ी नहीं थी, बल्कि...

जया ने आगे कहा था, मैंने कभी फिल्म इंडस्ट्री छोड़ी ही नहीं थी। मैं हर समय स्टेज और पर्द के पीछे थी। वापसी का कोई सवाल ही नहीं है क्योंकि मैं फिल्म इंडस्ट्री में कई अन्य चीजों में शामिल रही।

अमिताभ मेरे पति हैं,गार्जियन नहीं

यह पूछे जाने पर कि क्या फिल्मों में कमबैक के लिए अमिताभ बच्चन से परमिशन ली, तो जया बच्चन ने कहा था, %भगवान के लिए प्लीज, वो सिर्फ मेरे पति हैं, अभिभावक (गार्जियन) नहीं। यही नहीं, जया के पिता ने भी उनका पक्ष लिया था और इससे इनकार किया था कि दामाद अमिताभ ने उनकी बेटी जया को फिल्मों में काम करने से रोका।

जया के एक्टिंग से ब्रेक पर यह बोले थे उनके पिता

जया के पिता ने कहा था, जब जया ने फिल्में छोड़ने का फैसला किया तो हमने कुछ नहीं कहा। मेरे परिवार में, हमने कभी भी अपने फैसले बच्चों पर नहीं थोपे। जब जया ने कहा कि वह फिल्मों में आना चाहती हैं तो हमने कहा ठीक है, आगे बढ़ो। जब उसने नौकरी छोड़ने का फैसला किया, तो निस्संदेह, मुझे लगा कि उसका टैलेंट बर्बाद हो रहा है। लेकिन यह पूरी तरह से उसका निर्णय था। मुझे नहीं लगता कि उसे कभी इसका पछतावा हुआ होगा।

दीपशिखा नागपाल ने बताया कि कैसे देव आनंद ने उन्हें अपने साथ काम करने के लिए राजी किया

अभिनेत्री दीपशिखा नागपाल ने खुलासा किया है कि उन्होंने एक्टिंग को अपना करियर इसलिए चुना क्योंकि, प्रतिष्ठित अभिनेता-फिल्म निर्माता देव आनंद ने उनसे कहा था।अभिनेत्री ने कहा, मेरा परिवार, खास तौर पर मेरे नानाजी, पहले से ही फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा थे। मूक फिल्मों के दौर से ही मेरे नानाजी ने दादा मुनि (अशोक कुमार) और महमूद जैसे दिग्गजों को मौका दिया था। मेरी मां गुजराती फिल्मों में अभिनेत्री थीं और मेरे पिता निर्देशक, लेखक और अभिनेता थे। दिग्गज अभिनेता देव आनंद अपनी फिल्म के लिए लड़कियों की तलाश कर रहे थे और मेरी मां मुझे और मेरी बहन को उनसे मिलवाने ले गई थी।दीपशिखा ने बताया कि उन्हें यह जानकर आश्चर्य हुआ कि देव आनंद मेरी बहन को नहीं बल्कि उन्हें साइन करना चाहते थे। भले ही वह एक अभिनेत्री बनने की आकांक्षा रखती थी।देव आनंद के प्रस्ताव को मैंने ठुकरा दिया। क्योंकि अभिनय कभी मेरा सपना नहीं था। मैं मिस इंडिया या एक स्वतंत्र कॉर्पोरेट महिला बनना चाहती थी, शायद एक फैशन डिजाइनर भी। लेकिन देव साहब लगातार कोशिश करते रहे और आखिरकार उन्होंने मुझे अपने साथ काम करने के लिए मना लिया।अभिनेत्री ने दिवंगत स्टार के साथ बिताए पलों को याद करते हुए कहा, मुझे अभी भी उनके शब्द याद हैं, दीपशिखा, मेरे साथ काम करो और अगर तुम नहीं चाहती हो तो किसी और के साथ काम मत करना। मैं आखिरकार राजी हो गई, हालांकि मैंने जोर दिया कि वह मेरी बहन को भी साइन करें।अभिनेत्री ने बताया कि उनकी पहली फिल्म गैंगस्टर थी। मुझे लगा था कि यह मेरी आखिरी फिल्म होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इंडस्ट्री ने मुझे नोटिस करना शुरू कर दिया। लोग मेरी तुलना परवीन बॉबी से करने लगे, और मैंने इस सफर का आनंद लेना शुरू कर दिया।दीपशिखा ने खुलासा किया कि उन्हें 1995 की फिल्म करण अर्जुन की पेशकश की गई थी, जिसमें सलमान खान और शाहरुख खान मुख्य भूमिका में थे। उन्होंने कहा, मुझे राकेश रोशन ने करण अर्जुन की पेशकश की थी। लेकिन, मुझे अफसोस है कि मैंने इसे ठुकरा दिया था। मैं देव आनंद की गैंगस्टर में काम कर रही थी।अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने फिल्मों से टेलीविजन की ओर रुख क्यों किया। उन्होंने बताया कि मैंने शादी करने के बाद अपना ध्यान फिल्मों से टेलीविजन की ओर मोड़ लिया। लगभग उसी समय, मॉरीन वाडिया की ग्लैडरैग्स मिसेज इंडिया प्रतियोगिता शुरू हुई, और मैंने इसमें भाग लेने का फैसला किया। यह कुछ ऐसा था जिसे मैं खुद अनुभव करना चाहती थी।अभिनेत्री ने कहा, मैंने 2003 की मिसेज इंडिया प्रतियोगिता में भाग लिया और प्रथम रनर-अप रही। साथ ही कोहिनूर वूमन ऑफ द ईयर का खिताब भी जीता। पीछे मुड़कर देखती हूं, तो मुझे अपने सफर पर गर्व होता है, भले ही मैंने करण अर्जुन जैसे कुछ अवसर गंवा दिए हों। लेकिन मेरा मानना है कि सब कुछ किसी कारण से होता है। अब, मुझे उम्मीद है कि अगर मेरी बेटी कभी मेरे नक्शेकदम पर चलना चाहती है या मार्गदर्शन चाहती है, तो मैं उसका समर्थन करने के लिए वहां मौजूद रहूंगी।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

डिमांड नोटिस पर नहीं देना होगा ब्याज और जुर्माना

एक नवंबर से लागू होगी ये राहत योजना

रायपुर,06 अक्टूबर 2024(ए)। जीएसटी करदाताओं को विभाग ने बड़ी राहत दी है। इसके तहत ऐसे करदाता जिन्हें डिमांड नोटिस मिला है, वे अपना बकाया भुगतान कर ब्याज व जुर्माने से बच सकते है। यह राहत वित्तीय वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 के करदाताओं के लिए है। यह योजना एक नवंबर से जीएसटी करदाताओं के लिए लागू हो रही है। प्रदेश में ही इन तीन वित्तीय वर्षों में करीब पांच हजार से ज्यादा करदाताओं को विभाग की ओर से डिमांड नोटिस भेजा जा चुका है। जीएसटी अधिकारियों का कहना है कि इसमें शर्त यह रखी गई है कि टैक्स डिमांड नोटिस गैर-धोखाधड़ी श्रेणी का होना चाहिए। सरकार ने इसके लिए नोटिफिकेशन भी जारी किया है।

डोंगरगढ़ में भारी भीड़ से मची भगदड़,महिला की मौत

डोंगरगढ़,06 अक्टूबर 2024(ए)।मां बम्लेश्वरी के दर्शन के लिए डोंगरगढ़ में उमड़ी भीड़ देर रात अनियंत्रित हो गई, जिससे भगदड़ मच गई। नवरात्रि के दौरान लाखों श्रद्धालु मां बम्लेश्वरी के दर्शन के लिए डोंगरगढ़ पहुंचे थे। इस भगदड़ में एक बुजुर्ग महिला की जान चली गई। घटना के दौरान सुरक्षा के लिए लगाए गए बेरिकेट्स भी टूट गए, जिससे स्थिति और बिगड़ गई।

साय सरकार के दूसरे बजट की सीमा तय

» **विभाग अपने प्रस्ताव में 8 फीसदी से ज्यादा वृद्धि नहीं कर पाएंगे**

रायपुर,06 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के वित्त विभाग ने साय सरकार के दूसरे बजट (2025-26) के लिए सीमा रेखा निर्धारित कर दी है। वित्त सचिव ने सभी विभागों को निर्देश दिया है कि वे चालू वर्ष के बजट से केवल 8 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए नए प्रावधान भेजें. विभागों की ओर भेजे जाने वाले संबंधित प्रस्तावों के अनुसार अंदाजा लगाया जा सकता है कि आगामी बजट 1.59 लाख करोड़ रुपये का हो सकता है।

उप सचिव वित्त रामेश्वर शर्मा ने सभी अतिरिक्त मुख्य सचिवों, प्रमुख सचिवों और सचिवों को नए प्रस्तावों के संबंध में पत्र भेजा है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि अपरीक्षित नवीन व्यय के रूप में प्रस्ताव यथासंभव बजट में शामिल नहीं किए जाएंगे। प्रस्तावों के साथ विभागों को योजना का स्वरूप, उद्देश्य का उल्लेख करना होगा। योजनाओं की वित्त पोषण व्यवस्था यथा-भारत सरकार,वित्तीय संस्थाए, विदेशी सहायता, राज्य शासन आदि के संबंध में टीप देनी होगी। जिसमें केंद्र/एजेंसी का अंश और राज्यांश के अनुपात का स्पष्ट उल्लेख करना होगा। केंद्र प्रवर्तित, केंद्र क्षेत्रीय, विशेष/अतिरिक्त केंद्रीय सहायता योजनाओं का नाम एवं प्रकार केंद्र शासन के स्वीकृति आदेश के अनुरूप ही उल्लेख करना होगा। विशेष रूप से बाह्य सहायता प्राप्त योजनाओं, जिनमें केंद्र प्रायोजित,निगम सहायित और अन्य विदेशी सहायता प्राप्त योजनाएं सम्मिलित हैं, जिनमें अनुदान और ऋण के रूप में प्राप्त राशि को पृथक-पृथक भी बताना होगा. इससे राज्य पर पड़ने वाले ऋण भार का सही आंकलन किया जा सकेगा। केंद्र प्रवर्तित पीएमजीएसवाई, मनरेगा, पीएम आवास आदि में 2024-25 के आधार पर ही केन्द्रांश एवं आनुपातिक राज्यांश का प्रावधान प्रस्तावित किया जाए।

वित्त विभाग की ओर से यह भी कहा गया है कि राज्य शासन द्वारा लगाए गए विभिन्न उपकरों की आय से निर्मित विकास एवं कल्याण निधियों जैसे ग्रामीण विकास निधि, शाला विकास निधि, ऊर्जा विकास निधि, केंद्रीय सड़क निधि आदि से अंतरित राशि व्यय के लिए विभिन्न विभागों के बजट में योजनाओं की निधि में अंतरित की जाने वाली राशि भी कृपया स्पष्टः दर्शाया जाए। कार्यालय व्यय के अंतर्गत अन्य आकस्मिक व्यय में प्रावधान न्यूनतम और उसके उद्देश्य का कृपया स्पष्ट उल्लेख करें अन्यथा वर्ष 2025-2026 के बजट में यह प्रावधान शून्य कर दिया जाएगा।

बजट में राजस्व व्यय तथा पूंजीगत व्यय का सही वर्गीकरण दर्शाया जाए

वित्त निर्देश 13 मई, 2011 द्वारा नई सेवा/सेवा के नए साधन की वित्तीय सीमा के व्यय के नवीन मदों/सेवाओं की परिभाषा, वित्तीय सीमा को ध्यान में रखते हुए समस्त नवीन व्यय के प्रस्तावों को पूर्ण औचित्य सहित पृथक से नस्ती में वित्त विभाग की सहमति के लिए प्रस्तुत किया जाए। नवीन व्यय के मद को बजट प्रस्ताव में पृथक से भेजा जाए। वर्ष 2024-2025 के पुनरीक्षित अनुमान के आकलन के लिए विगत 12 माह का वास्तविक व्यय आवश्यक है. पिछले दो वर्ष के पुनरीक्षित अनुमान के आधार पर ही वर्ष 2025-2026 का बजट अधिकतम 08 प्रतिशत वृद्धि करते हुए तैयार किया जाए। राजस्व प्राप्ति और पूंजीगत व्यय के प्रावधानों में चालू वर्ष के अनुमान तथा पुनरीक्षित अनुमानों के बीच तथा पुनरीक्षित अनुमान तथा आगामी वर्ष के अनुमान के बीच उल्लेखनीय अंतर को संक्षेप में स्पष्ट करते हुए टीप दी जाए।

वेतन भत्तों के अंतर्गत त्यौहार अग्रिम एवं चिकित्सा अग्रिम के अनुमानों का प्रस्ताव निवल के आधार पर सम्मिलित किया जाए

वर्ष 2024-25 के पुनरीक्षित अनुमान में मद 003 महंगाई भत्ते में 001-वेतन के अन्तर्गत प्रावधानित राशि का 50 प्रतिशत 01-वेतन के अन्तर्गत तथा वर्ष 2025 के लिए - 58 प्रतिशत अनुमानित प्रावधान बजट अनुमान 2026 में रखा जाए।

छत्तीसगढ़ के नेता महाराष्ट्र और झारखंड करेंगे चुनाव प्रचार

रायपुर,06 अक्टूबर 2024(ए)। महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों में छत्तीसगढ़ के बीजेपी नेता सक्रिय भूमिका निभाएंगे। इन नेताओं को विभिन्न विधानसभाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है। महाराष्ट्र में प्रदेश महामंत्री रामजी भारती को संभाजीनगर शहर की कमान दी गई है, जबकि पूर्व विधायक नवीन मार्कण्डेय धाराशिव में प्रचार का नेतृत्व करेंगे। इसके साथ ही संतोष उपाध्याय, नंदकुमार राणा और गोपाल विष्ठ को लातूर ग्रामीण का प्रभार सौंपा गया है।पूर्व सांसद चंदूलाल साहू और श्रवण मरकाम को बीड, पूर्व विधायक विनोद खांडेकर को संभाजीनगर दक्षिण,

निरंजन सिंहा को संभाजीनगर उत्तर, कोमल जंघेल को जालना ग्रामीण, पूर्व विधायक नंदे साहू को परभणी ग्रामीण, वीरेंद्र साहू को हिंगोली, पूर्व मंत्री महेश गागड़ा और आशु चंद्रवंशी को नांदेड़ शहर तथा विक्रांत सिंह को नांदेड़ उत्तर का जिम्मा दिया गया है। झारखंड चुनाव में भी छत्तीसगढ़ बीजेपी के नेताओं को कई विधानसभा सीटों का क्लस्टर प्रभारी नियुक्त किया गया है। मंत्री ओपी चौधरी को रामगढ़ और हजारीबाग जिलों की विधानसभा सीटों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा को गिरिडीह, सांसद विजय बघेल को सरायकेला, खरसांवा और चाईबासा की सीटों का जिम्मा दिया गया है। केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू को 4 सीटों का प्रभार मिला है, जबकि पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल जमशेदपुर की 4 सीटों का नेतृत्व करेंगे। पंडरिया की विधायक भावना बोहरा को बहरागोड़ा, घाटशिला, पोटका, जुगसलाई, जमशेदपुर पूर्व और पश्चिम सीटों की जिम्मेदारी दी गई है।

150 किलो सिंदूर से तैयार की गई माता की मूरत

रायपुर,06 अक्टूबर 2024 (ए)। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर राजधानी रायपुर के शहीद चूड़ामणि वॉर्ड क्रमांक 38 अंतर्गत आमापारा में विराजमान 150 किलो सिंदूर से तैयार की गई माता दुर्गा की मूर्ति मुख्य आकर्षण का केंद्र बन रही है। अपने आप में यह अनोखी प्रतिमा लोगों को काफी पसंद आ रही है. खास बात यह है कि मूर्ति के निर्माण में मिट्टी का प्रयोग नहीं हुआ है, बल्कि सिर्फ पैरे एवं सिंदूर का प्रयोग कर इसे तैयार किया गया है।न्यू आजाद दुर्गोत्सव

समिति के अध्यक्ष एवं शहीद चूड़ामणि नायक वॉर्ड क्रमांक 38 के पार्षद दीपक जायसवाल ने बताया अपने आप में अनोखी प्रतिमा को मूर्तिकार सुरेश प्रजापति ने तैयार किया है, 10 फीट ऊंची इस प्रतिमा को तैयार करने में एक महीने से अधिक का समय लग गया। समिति सदस्यों ने बताया कि पूजन सामग्री में प्रयुक्त होने वाली चीजों से ही प्रतिमा निर्माण का विचार आया. पिछले वर्ष इसके लिए हल्दी का प्रयोग किया गया था. इस बार सिंदूर को चुना।

माओवादियों से लोहा लेने वाले जांबाज जवानों से हुए रूबरू उपमुख्यमंत्री

रायपुर,06 अक्टूबर 2024(ए)।उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, कृषि एवं आदि विकास मंत्री रामविचार नेताम एवं वनमंत्री केदार कश्यप आज दंतेवाड़ा पहुंचे। दंतेवाड़ा के कारली स्थित रक्षित केन्द्र के कॉन्फ्रेंस हॉल में उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा एवं मंत्रीद्वय ने सुरक्षा बलों के जांबाज जवानों से मुलाकात की और उनके साहसिक और सफल ऑपरेशन की सराहना कर उनका हौसला बढ़ाया। गौरतलब है कि बीते 04 अक्टूबर को दंतेवाड़ा एवं नारायणपुर जिले के सीमावर्ती क्षेत्र नेन्दूर व थुलथुली में माओवादियों के विरूद्ध सुरक्षा बलों के जवानों ने माओवादियों से हुई मुठभेड़ में अपने अदम्य साहस से 31 माओवादियों को मार गिराया था। इस मुठभेड़ में पुलिस बलों द्वारा डीकेएसजेडसी, डीवीसी, पीएलजीए कंपनी नंबर 6 के कई कैडर सहित 18 पुरुष एवं 13 महिला कुल 31 सशस्त्र वर्दीधारी माओवादी को ढेर कर दिया था। इस मुठभेड़ में बड़ी संख्या में नक्सलियों के घायल होने की सूचना है। मारे गए माओवादियों में 25 लाख का इनामी डीकेएसजेडसी एवं पूर्वी बस्तर इंचार्ज नीति उर्फ उर्मिला भी शामिल थी। मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों में से अब तक हुई 15 शिनाख्तगी में डीकेएसजेडसी के अलावा दो कैडर 8 लाख इनामी डीबीसीएम एवं 9 कैडर पीएलजीए कंपनी 6 माओवादियों भी शामिल है। इस घटना में 01 नग

एलएमजी, 04 नग एके 47, 06 नग एसएलआर, 03 नग इन्सास, 2 नग थ्री नॉट थ्री सहित अन्य हथियार बरामद हुए। पुलिस बल के जवानों की टीम दंतेवाड़ा और बीजापुर जिले के सीमावर्ती इलाके में पूर्वी बस्तर डिवीजन, पीएलजीए कंपनी 6, इंद्रावती एरिया कमेटी, प्लाटून 16 इत्यादि के शीर्ष नक्सलियों के आने की सूचना के आधार पर सर्चिंग ऑपरेशन के लिए निकले थे। इस संयुक्त टीम में दंतेवाड़ा डीआरजी, नारायणपुर डीआरजी और एसटीएफ शामिल थे। भारी बरसात में उफनते नदी नालों और माड़ की पहाड़ियों को पार कर पुलिस जवानों की टीम नक्सलियों के जमा होने वाले इलाके में पहुंची, और यहां हुई जबरदस्त मुठभेड़ में 31 माओवादियों को मार गिराया। यह सुरक्षा बलों के लिए बहुत बड़ी सफलता है। इस बड़े ऑपरेशन में एक मात्र जवान घायल जवान के अलावा अन्य सभी जवान सुरक्षित रहे। इस अवसर पर पुलिस बल नेतृत्व कर रहे एडिशनल एसपी स्मृतिक राजनाला पूरे घटनाक्रम के बारे में जानकारी दी।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने इस अवसर पर सभी जवानों को बधाई देते हुए कहा कि मैं केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार की ओर सभी जवानों के लिए शुभकामना संदेश लेकर आया हूँ, आपके अदभूत पराक्रम और शौर्य से बस्तर में सुख-शांति फिर से लौटेगी। इस अभियान से आपने देश और दुनिया की सोच बदली है, और माँ दंतेश्वरी की कृपा इस भीषण मुठभेड़ में किसी भी जवान को कोई हानि नहीं हुई। बस्तर शांति का टापू रहा है, परन्तु कुछ दिग्भ्रमित लोगों के कारण यह की शांति भंग हुई है। हमारे सुरक्षा बल और पुलिस के जवान ऐसे लोगों को नेस्तनाबूद करके ही रहेंगे। यह छत्तीसगढ़ सबसे बड़ा ऑपरेशन रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति के सकारात्मक परिणाम मिले है। कृषि एवं आदिवासी विकास विभाग मंत्री रामविचार नेताम इस सफल ऑपरेशन को विजय दिवस की संज्ञा देते हुए कहा कि इस सफलता से पूरा देश गौरवान्वित है। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि इस सफल ऑपरेशन की चर्चा छत्तीसगढ़ के प्रत्येक जिलों में है। इससे माओवाद मुक्त बस्तर अभियान को एक नयी गति मिली है। इसके लिए सुरक्षा बलों सहित आईजी, डीआईजी तथा कलेक्टर, एसपी सभी बधाई के पात्र है।

अध्यापिका की दुष्कर्म की कहानी को हाई कोर्ट ने नहीं माना

शिक्षक को किया बरी

बिलासपुर,06 अक्टूबर 2024 (ए)। अध्यापिका की कहानी को न मानते हुए हाई कोर्ट ने कथित दुष्कर्म के आरोपी शिक्षक को दोष मुक्त करने के खिलाफ पेश अपील को खारिज कर दिया. मामले की सुनवाई में हाई कोर्ट ने पाया कि अपीलकर्ता शिक्षिका ने संबंध बनाने की सहमति दी थी।बलौदाबाजार जिला के शासकीय प्राथमिक विद्यालय में पदस्थ शिक्षिका ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह अपने बच्चे के साथ किराए के मकान में रहती है। जुलाई 2018 की दोपहर को जब वह घर में तब पास ही के गांव के मीडिल स्कूल का शिक्षक घर आया, और बच्चे को चॉकलेट खाने 100 रुपए देकर बाहर भेज दिया। इसके बाद आरोपी ने शादी करने की बात कही। शादी की बात न मानने पर बच्चे को मारने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

रिपोर्ट पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर न्यायालय में चालान पेश किया. मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपराध सिद्ध नहीं होने पर आरोपी को दोष मुक्त कर दिया. इसके खिलाफ पीड़िता ने हाई कोर्ट में अपील पेश की।

मामले की सुनवाई के दौरान गवाहों के बयान में पाया कि पीड़िता जहाँ किराए में रहती है, वहाँ और भी किरायदार है। उसने घटना की किसी को भी जानकारी नहीं दी। आरोपी की ओर से गवाहों ने कहा कि महिला को समाज की प्रथा के अनुसार, चूड़ी पहना कर अपने गांव ले गया था, जहां दोनों तीन-चार दिन रुके थे। इस पर हाई कोर्ट ने पीड़िता की सहमति से संबंध बनने की बात कहते हुए शिक्षिका की अपील को खारिज कर निचली अदालत के आदेश को यथावत रखा।

नवंबर से शुरू होगी पांच शहरों के लिए रायपुर से सीधी उड़ान

रायपुर,06 अक्टूबर 2024(ए)। अगले महीने नवंबर से छत्तीसगढ़ के हवाई यात्रियों को पांच प्रमुख शहरों के लिए हवाई सेवाओं का तोहफा मिलेगा। विमानन कंपनियां इसके लिए नई फ्लाइटें भी देख रही है तथा ट्रैवल्स एजेंटों से संपर्क कर रही है कि इन क्षेत्रों के लिए ट्रैफिक कितना मिलेगा। रायपुर से शुरू होने वाली इन हवाई सेवाओं में जयपुर, राजकोट, सूरत, पटना और विशाखापट्टनम है. इस महीने से अहमदाबाद के लिए भी उड़ान शुरू हो चुकी है।

ट्रैवल्स संचालकों का कहना है कि जयपुर के लिए तो विंटर सीजन में शेड्यूल भी तय हो गया है. वहीं राजकोट व सूरत के लिए संभावनाएं तलाशी जा रही है. इसके साथ ही 13 नवंबर से विस्तारा एयरलाइंस की फ्लाइट एयर इंडिया हो जाएगी तो रायपुर से विशाखापट्टनम फ्लाइट शुरू होने की उम्मीद बढ़ गई है। व्यास हॉलीडेज के संचालक कीर्ति व्यास ने बताया कि उन्होंने विमानन कंपनी को इन क्षेत्रों के लिए फ्लाइट शुरू करने पत्र भी लिखा है. विमानन कंपनी ने इस पर आश्वासन भी दिया है।

27 अक्टूबर से शुरू होगी पुणे व चेन्नई फ्लाइट

इंडिगो एयरलाइंस 27 अक्टूबर से रायपुर से पुणे व चेन्नई के लिए फ्लाइट शुरू कर रही है. फ्लाइट क्रमांक 6ई6137 चेन्नई से रायपुर दोपहर 1.35 बजे उड़ान भरेगी और रायपुर 3.20 बजे पहुंचेगी। इसके साथ ही फ्लाइट क्रमांक 6ई6138 रायपुर से रात्रि 8.25 बजे उड़ान भरेगी और 10.15 बजे चेन्नई पहुंचेगी।

इसी प्रकार फ्लाइट क्रमांक 6ई695 रायपुर से पुणे के लिए दोपहर 3.50 बजे उड़ान भरेगी तथा शाम 5.35 बजे पुणे पहुंचेगी, इसके बाद फ्लाइट क्रमांक 6ई6905 पुणे से शाम 6.15 बजे उड़ान भरेगी और 7.55 बजे रायपुर पहुंचेगी।

खातेधारक को बैंक में जमा राशि का बताना होगा स्रोतःहाईकोर्ट

बिलासपुर,06 अक्टूबर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के जस्टिस संजय के अग्रवाल व जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद की डिवीजन बेंच ने बैंक में जमा धन और इनकम टैक्स के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय दिया है। हाई कोर्ट ने आयकर की धारा 68 और 69 ए का हवाला देते हुए कहा है कि अगर कोई खातेधारक बैंक में जमा राशि के संबंध में सही जानकारी नहीं देता है तो संबंधित जमा राशि को इनकम टैक्स में दायरे में लाया जा सकता है। बैंक में जमा राशि के स्रोत को बताने की जिम्मेदारी संबंधित व्यक्ति की है जिनके खाते में धन राशि जमा है।

डिवीजन बेंच ने याचिकाकर्ता के उस दावे को भी खारिज कर दिया है जिसमें उन्होंने 11,44,070 की राशि को मेसर्स श्रीराम ट्रांसपोर्ट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड का बताते हुए नक्सल प्रभावित क्षेत्र से फाइनेंस के एवज में

बतौर किश्त एकत्रित किया था। राशि वसूलने के बाद अपने बैंक अकाउंट में जमा करा दिया था।

हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने कहा कि जब जमा राशि किसी तीसरे पक्ष के नाम पर हो तो उस व्यक्ति से जमा धन राशि के स्रोत के बारे में विस्तृत जानकारी मांगी जानी चाहिए। जमा राशि के स्रोत को बताने और सही साबित करने की जिम्मेदारी उस व्यक्ति का है जिसका नाम खाते में दर्ज है। दिनेश सिंह चौहान की याचिका पर हाई कोर्ट ने यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है।

क्या है मामला

याचिकाकर्ता दिनेश सिंह चौहान के खिलाफ कर निर्धारण अधिकारी, आयकर अायुक्त (अपील) और आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (ढ्ढञ्ज) ने यह कहते हुए फैसला सुनाया कि बैंक में जमा धनराशि के स्रोत के संबंध में विश्वसनीय दस्तावेजी साक्ष्य के साथ प्रमाणित नहीं कर पाया है। अपीलकर्ता ने आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण के निर्णय को चुनौती देते हुए कहा कि आयकर अधिनियम की धारा 44 ए के अंतर्गत वह लेखा बही रखने के लिए उत्तरदायी नहीं है। उसने थर्ड पार्टी से वसूली की जानकारी भी दे दी है।

दुर्गा पंडाल में अचानक घुसा भालू,मची खलबली

कांकेर,06 अक्टूबर 2024 (ए)। जिले के लारगांव स्थित दुर्गा पंडाल में देर रात एक भालू अचानक घुस आया। घटना उस समय की है जब पंडाल में लगभग 10 ग्रामीण सो रहे थे भालू तेल पीने की लालच में पंडाल में घुस गया, लेकिन गनीमत रही कि उसने किसी पर हमला नहीं किया। ग्रामीणों ने स्थिति को संभालते हुए शांति बनाए रखी, जिससे बड़ा हादसा टल गया। कांकेर जिले में जंगली जानवरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है. भालू के अलावा तेंदुए भी रिहायसी इलाकों में घुसकर हिंसक हो रहे हैं। इन जंगली जानवरों की गतिविधियों से वन विभाग के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। बीते कुछ दिनों में तेंदुए ने बच्चों सहित अन्य लोगों पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया।वहीं कुछ दिन पहले जिला मुख्यालय से लगे डुमाली गांव में एक साथ पांच तेंदुए देखे गए थे, जिससे वन विभाग अलर्ट मोड पर है। आस-पास के ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

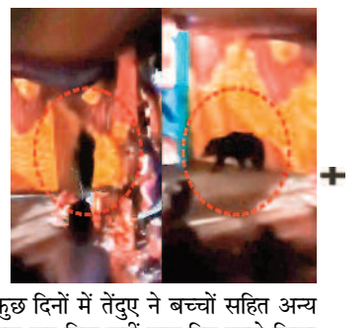

77 वर्ष के बुजुर्ग ने लगाई 10 किलोमीटर की दौड़

धमतरी,06 अक्टूबर 2024 (ए)। जिले में जल जगार महोत्सव मनाया जा रहा है, जिसके तहत लोगो क़ो जल और पर्यावरण क़ो संरक्षित रखने का संदेश देने प्रदेश और जिले के नागरिकों ने गंगरेल हाफ मैराथन, एन्डुरन्स रन और वॉकेथॉन में अपनी सहभागिता निभायी। मैराथन में 10 किलोमीटर के एन्डुरन्स रन में धमतरी निवासी सुकलाल अवड़े का बहेतरीन जज्बा दिखाई दिया। सुकलाल अवड़े ने बताया कि उनकी उम्र 77 वर्ष कि है और वे धमतरी के रहने वाले है। उन्होंने पहली बार मेराथन में हिस्सा लिया और इस दौड़ क़ो समय पर पूरा करके बहुत खुश है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)